यूरोपियन का आगमन

पुर्तगाली :

- 1498 में → वास्को डि गामा → कालीकट पहुँचे सर्वप्रथम
  - वास्को डि गामा ↓ भारत के समुद्री मार्ग की खोज की
  - कालीकट पहुँचे ↳ राजा जमोरिन ने स्वागत किया
- 1505 में → सर्वप्रथम → गवर्नर → फ्रांसिसी डि अल्मीडा
  - गवर्नर ↓ पुर्तगाली कम्पनी का
  - फ्रांसिसी डि अल्मीडा ↳ ब्लू वाटर नीति (Blue water policy) [Carta e System]
  - ब्लू वाटर नीति → व्यापार में लाइसेंस देने का काम
- 1509 में → द्वितीय गवर्नर → अल्फांसो डि अल्बुकर्क
  - सती प्रथा को समाप्त किया।
  - अल्फांसो डि अल्बुकर्क ↓ गोवा पर कब्जा किया (1510) ↓ बीजापुर के सुल्तान से
- भारत में तंबाकू और काजू से अवगत करवाया।

→ सबसे पहले आने वाले और सबसे बाद में जाने वाले।

- नीनो-डि-कुन्हा (पुर्तगाली गवर्नर)
- मराठों ने पुर्तगालियों की दो जगह छीन लिया { सालसेट, बसीन } 1739 में

डच :

↳ नीदरलैण्ड से

- प्रथम कारखाना → मसूलीपट्टनम (1605 में)
  - ↳ वर्तमान में आंध्रप्रदेश

अंग्रेज / ब्रिटिश :

- 1599 में → ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन
- 1600 में → रानी एलिजाबेथ I से शाही चार्टर ले लिया/
- 1608 में → विलियम हाकिन्स आया → जहांगीर के दरबार में।
- 1611 में → पहला कारखाना (अस्थायी) → मसूलीपट्टनम में
- 1613 में, → पहली स्थायी फैक्ट्री / कारखाना → सूरत में
- 1615 में → थॉमस रॉ आया → जहांगीर के दरबार में

डेनिश :

1620 : पहला कारखाना, ट्रांक्यूबार (तमिलनाडु)

1676 : बंगाल के सेरामपुर में

फ्रांसीसी :

- 1668 में → प्रथम कारखाना → सूरत में

फ्रेंच / फ्रांसीसी कॉलोनी → चंदनगर (बंगाल)

अंग्रेजों का विस्तार :

- चिनसुरा का युद्ध / बेदरा का युद्ध → 1759 में

↓

डचों को हराया

↳ हुगली नदी के तट पर

कोलाचेल की लड़ाई : 10 अगस्त 1741

त्रावणकोर साम्राज्य Vs डच ईस्ट इंडिया कंपनी
(हार)
↓
राजा मार्तंड वर्मा

- **स्वाली / सुअली का युद्ध** → 1612 में → पुर्तगालियों को हराया
- **कर्नाटिक का युद्ध** → ब्रिटिश व फ्रेंच के मध्य (ऑस्ट्रियाई उत्तराधिकार के युद्ध का हिस्सा)

3 कर्नाटिक युद्ध (1744 - 1763) (7 वर्षीय युद्ध)

- **प्रथम कर्नाटिक युद्ध** → 1744 से 1748 तक
  - ↳ युद्ध खत्म → संधि → एक्स-ला-चापेल की संधि
- फ्रांसीसी गवर्नर जनरल → जोसेफ फ्रेंकोइस डुप्लेक्स
- **द्वितीय कर्नाटिक युद्ध** → 1749 से 1754 → अम्बर के युद्ध के साथ शुरुआत हुई
  - ↳ समझौता - पुडुचेरी की संधि
- **तीसरा कर्नाटिक युद्ध** → 1756 से 1763 → वांडीवास का युद्ध (1760)

अंग्रेज Vs फ्रांसीसी
(विजयी) ↓ आयरकूट
फ्रांसीसी ↓ कान्ते डि लाली (नेतृत्व)

संधि - पेरिस की संधि

बंगाल → मुर्शिद कुली खान
अवध → सादत खान / सआदत खान बुरहान उल मुल्क
हैदराबाद → निजाम - उल - मुल्क आसफ जाह

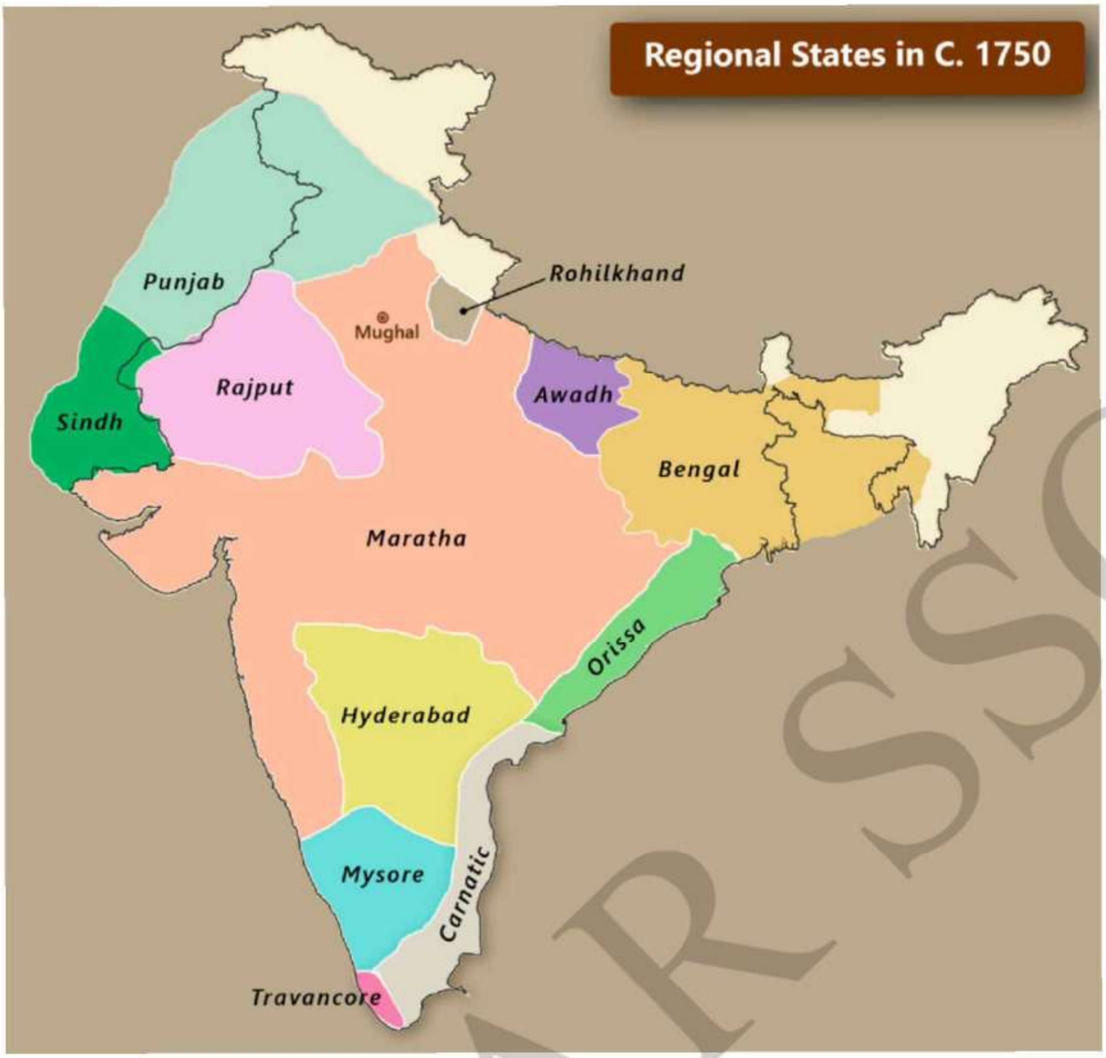
Regional States in C. 1750
Punjab
Rohilkhand
Mughal
Sindh
Rajput
Awadh
Bengal
Maratha
Orissa
Hyderabad
Mysore
Carnatic
Travancore

बंगाल में :

- प्रथम नवाब → मुर्शिद कुली खान → वास्तविक नाम - सूर्यनारायण मिश्रा
- फरुखसियार ने अंग्रेजों के लिये सुनहरा फरमान जारी कर दिया।
  (1717)
  → करमुक्त व्यापार
  व्यापार का मैग्नाकार्टा

सिराजुद्दौला → 23 वर्ष में नवाब बना।

अलीवर्दी खान की मृत्यु → 9 अप्रैल 1756

- सिराजुद्दौला (अलीवर्दी खान का पोता) ने वापस कर लेने का फरमान जारी किया।
- सिराजुद्दौला ने फोर्ट विलियम में आक्रमण करके अंग्रेजों को कैद कर लिया

और काल कोठरी में डाल दिया जिसमें लगभग 400 अंग्रेजों की मृत्यु हो गयी |

कालकोठरी घटना

प्लासी का युद्ध : 23 जून 1757

सिराजुद्दौला

अंग्रेज- राबर्ट क्लाइव (जीता)

प्लासी → बंगाल

→ पलाश के पेड़ सबसे अधिक उगते हैं।

भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की औपचारिक शुरूआत

प्लासी के युद्ध के परिणाम :

- सिराज-उद-दौला मारा गया (मीर मदन के नेतृत्व वाली सेना)
- मीर जाफर गद्दी पर बैठा |
- रॉबर्ट क्लाइव द्वारा ब्रिटिश सेना का नेतृत्व |

→ इसके बाद मीर कासिम गद्दी पर बैठा |

→ उन्होंने राजधानी को मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित कर दिया |

बक्सर का युद्ध :

22 अक्टूबर 1764

नवाब मीर कासिम +
अवध के नवाब शुजाउद्दौला +
मुगल राजा शाह आलम द्वितीय

हैक्टर मुनरो
(अंग्रेज)

इलाहाबाद की संधि (राबर्ट क्लाइव)

द्वैध शासन का आरम्भ

दीवानी → अंग्रेज

निजामत → शाह आलम II

- मीर जाफर फिरसे नवाब बना |

इलाहाबाद की संधि 7 वर्षों तक चली जिसे 1772 में वारेन हेस्टिंग्स ने समाप्त कर दिया।

मैसूर में,

राजवंश - वोडियार राजवंश

→ हैदर अली सिंहासन पर बैठा

↓ फांसीसी की ओर झुकाव

→ मराठा + हैदराबाद के निजाम के साथ संधि

- **प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध** → 1767-69
  अंग्रेजों व हैदर अली के मध्य
  समझौता - मद्रास की संधि

- **द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध** → 1780-84
  मंगलौर की संधि

- कैंसर से हैदर अली की मृत्यु
- पुत्र टीपू सुल्तान गद्दी पर बैठा।

- **तीसरा आंग्ल मैसूर युद्ध** → 1790-92
  टीपू सुल्तान हार गया

राजधानी - श्रीरंगपट्टनम

→ 1. भारी जुर्माना लगाया गया (3करोड़ ₹)
2. उनके दो बेटों को बंधक बना लिया गया।

चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध 1798-99

टीपू सुल्तान Vs अंग्रेज वेलेजली

→ मारा गया

सहायक संधि :

फ्रांसीसी डूप्ले ने दिया

भारत में वैलेजली ने

1798 ई०

हैदराबाद →	1798
मैसूर →	1799
तंजौर →	1799
अवध →	1801
पेशवा →	1802

- → मैसूर ने चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध के बाद 1798-99 में सहायक संधि पर हस्ताक्षर किए। (टीपू सुल्तान की मृत्यु)
- → कठपुतली शासकों ने सहायक संधि पर हस्ताक्षर किए।

मराठा में,

- प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध → 1775-82
- द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध → 1803-06
- तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध → 1817-18

पंजाब में,

12 मिस्ल

महाराजा रंजीत/रणजीत सिंह — सुकरचकिया मिस्ल थे

→ मृत्यु- 1839

→ पुत्र (मृत्यु)- 1840

→ पौत्र- खड़कसिंह 1840)

↓

अमृतसर की संधि

सतलज नदी को बटवारे का आधार बनाया

सिख

ब्रिटिश

- प्रथम आंग्ल-सिख युद्ध → 1845 → लाहौर की संधि

↓

अंग्रेज + महाराजा दिलीप सिंह

अलीवाल का युद्द (1846) → प्रथम एंग्लो सिख युद्द का हिस्सा थी।

- भैंरोवाल की संधि

- द्वितीय आंग्ल-सिख युद्द → 1848
  - ↳ भारत का गवर्नर जनरल डलहौजी
  - ↓ दिलीप सिंह को बंदी बनाया गया
    कोहिनूर हीरा चुरा लिया गया।
    पहाड़ी का प्रकाश

अफगान :

- प्रथम युद्द → 1839-42 → जॉन ऑकलैंड (गवर्नर जनरल)
  ↓
  मास्टरली निष्क्रियता की नीति
- द्वितीय युद्द → 1879-80 → गंडमक की संधि से समाप्त (लिटन)
- तृतीय युद्द → 1919

सिंध: 1843 में अंग्रेजों ने अपने अधिकार में कर लिया।

आंग्ल-बर्मा युद्द:

1st : 1824-26 (यंदाबू की संधि)
2nd : 1852
3rd : 1885

सराईघाट का युद्द → 1671
↳ (मुगल)

- भारत में प्रथम जूट मिल - रिशरा
- भारत में प्रथम कपास मिल → ऑकलैण्ड मिल → कलकत्ता में → 1813

  ↓

  1854 - बॉम्बे में

  Spinning and weaving मशीन स्थापित की

- पुर्तगाली लेखक → डुआर्टे बारबोसा ने दक्षिण भारत में व्यापार & समाज के बारे में लिखा।
- चंदनगर को बंगाल के तात्कालीन नवाब इब्राहिम खान से अनुमति लेकर एक फ्रांसीसी उपनिवेश के रूप में स्थापित किया।
- कार्नवालिस ने EIC के प्रशासन को पेशेवर बनाया, नौकरशाही बनाया और यूरोपीयकरण किया।
- भारत का पहला अंग्रेजी भाषा का समाचार पत्र - हिक्की का बंगाल गजट
- अलीवाल का युद्ध - आंग्ल-सिख युद्ध
- यंदाबो की संधि (1826 में) - ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी ने असम पर कब्जा कर लिया।

बंगाल → मुर्शिद कुली खान

अवध → सादत खान / सआदत खान बुरहान उल मुल्क

हैदराबाद → निजाम - उल - मुल्क आसफ जाह

फरुखसियर (1717)

व्यापार का मैग्नाकार्टा

सिराजुदौला → 23 वर्ष में नवाब बना।

अलीवर्दी खान की मृत्यु → 9 अप्रैल 1756

(प्लासी)

प्लासी → बंगाल

↳ पलाश के पेड़ सबसे अधिक उगते हैं।

१७५७ भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की औपचारिक शुरुआत

प्लासी के युद्ध के परिणाम :

- सिराज - उद - दौला मारा गया (मीर मदन के नेतृत्व वाली सेना)
- मीर जाफर गद्दी पर बैठा।
- रॉबर्ट क्लाइव द्वारा ब्रिटिश सेना का नेतृत्व।

→ इसके बाद मीर कासिम गद्दी पर बैठा।

→ उन्होंने राजधानी को मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित कर दिया।

(बक्सर)

- मीर जाफर फिरसे नवाब बना।

इलाहाबाद की संधि 7 वर्षों तक चली जिसे 1772 में वारेन हेस्टिंग्स ने समाप्त कर दिया।

राजवंश - वोडेयार राजवंश

↳ हैदर अली सिंहासन पर बैठा

↓ फ्रांसीसी की ओर झुकाव

→ मराठा + हैदराबाद के निजाम के साथ संधि

(2nd)

- कैंसर से हैदर अली की मृत्यु
- पुत्र टीपू सुल्तान गद्दी पर बैठा।

(3rd) राजधानी - श्रीरंगपट्टनम

↳ 1. भारी जुर्माना लगाया गया (3करोड़ रु)
2. उनके दो बेटों को बंधक बना लिया गया।

→ मैसूर ने चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध के बाद 1798-99 में सहायक संधि पर हस्ताक्षर किए। (टीपू सुल्तान की मृत्यु)

→ कठपुतली शासकों ने सहायक संधि पर हस्ताक्षर किए।

आंग्ल - वर्मा युद्ध :

1st : 1824-26 (यंदाबू की संधि)

2nd : 1852

3rd : 1885

सराईघाट का युद्ध → 1671

↳ (मुगल)

अलीवाल का युद्ध (1846) → प्रथम एंग्लो सिख युद्ध का हिस्सा थी।

- भैरोवाल की संधि

(1st अध्याय)

(1st) जॉन ऑकलैंड (गवर्नर जनरल)

(2nd) (लिटन)

(~~फ्रांस कॉलोनी~~,

मराठा

- मराठा राज्य (1674-1720)
- मराठा संघ (1720-1818)

शिवाजी (1674-80):

- जन्म → 1630, शिवनेरी किले में
- पिता → शाहजी भोंसले
- माता → जीजा बाई
- धार्मिक गुरु → समर्थ रामदास
- दक्कन के गवर्नर - शाइस्ता खान को 1660 में शिवाजी की बढती शक्ति को कम करने के लिये औरंगजेब द्वारा नियुक्त किया गया।
- शिवाजी ने पूना खो दिया और कई हार का सामना करना पड़ा जब तक कि उन्होंने शाइस्ता खान पर (1663) एक साहसिक हमला नहीं किया। और सूरत (1664) फिर बाद में अहमदनगर को लूट लिया।
- आमेर के राजा जयसिंह को औरंगजेब द्वारा शिवाजी को रास्ते से हटाने के लिये नियुक्त किया गया। (1665)
- जयसिंह पुरंदर किले में शिवाजी को घेरने में सफल रहा।

↓

परिणाम → पुरंदर की संधि (1665)

↓

शिवाजी ने कुछ किले मुगलों को सौंप दिये और आगरा में मुगल दरबार का दौरा किया।

- 1674 में शिवाजी का राजधानी रायगढ़ में राज्याभिषेक किया गया। → छत्रपति की उपाधि ली।
- उन्होंने हिंदव धर्मोद्धारक की उपाधि धारण की।

↓

हिन्दू धर्म के रक्षक

Shivaji Fort

- शिवाजी को अष्टप्रधान द्वारा मदद की गयी थी।

छत्रपति शिवाजी महाराज का
अष्टप्रधान मंडल

↓ आठ मंत्री जो मंत्रियों के समूह से भिन्न थे क्योंकि इसमें कोई सामूहिक जिम्मेदारी नही थी। प्रत्येक मंत्री सीधे तौर पर शिवाजी के प्रति उत्तरदायी था।

- मराठों के आक्रमण से बचने के लिये भूराजस्व का 1/4 भाग भू-राजस्व मराठों को दिया जाता था।
- **सरदेशमुखी**- महाराष्ट्र की उन भूमियों पर 10% की अतिरिक्त लेवी थी जिस पर मराठा वंशानुगत अधिकार का दावा करते थे, लेकिन जो मुगल साम्राज्य का हिस्सा था।

सम्भाजी (1680-89):

- शिवाजी के बड़े पुत्र
- उत्तराधिकार के युद्ध में शिवाजी के छोटे पुत्र राजाराम को हराया।
- उन्होंने औरंगजेब के विद्रोही पुत्र अकबर द्वितीय को सुरक्षा और सहायता प्रदान की।
  - ↳ सम्भाजी को कैद कर बहुत दर्दनाक मौत दी।

राजाराम (1689-1700):

- शिवाजी और सोयराबा (दूसरी पत्नी) के पुत्र
- वह राजगढ़ में मंत्रियों की मदद से सिंहासन पर बैठा।
- मृत्यु- सतारा में
  - ↳ 1698 में जिंजी के मुगल के अधीन होने के बाद राजधानी बन गयी थी।
- राजाराम ने प्रतिनिधि का नया पद सृजित किया।
- इस प्रकार मंत्रियों की कुल संख्या 9 हो गयी। (प्रतिनिधि + अष्टप्रधान)

ताराबाई (1700-07):

- राजाराम की पत्नि
- पुत्र: शिवाजी II

शाहू जी (1707-1749):

- मुगल बादशाह बहादुर शाह ने उन्हे छोड़ दिया।
- पराजित: ताराबाई में खेड़ के युद्द में

बालाजी विश्वनाथ (1713-20)

- पहले पेशवा , ब्राह्मण थे।
- अपना करियर एक छोटे राजस्व अधिकारी के रूप में शुरु किया।
- 1708 में शाहू द्वारा उन्हे सेनाकार्ते की उपाधि दी गयी।

  ↓ सैना का चिन्हक
- वह 1713 में पेशवा बने और इस पद को सबसे महत्वपूर्ण और शक्तिशाली तथा वंशानुगत बना दिया।
- सैय्यद ब्रदर्स किंग मेकर (1719) के साथ एक समझौता किया जिसके द्वारा मुगल
- सम्राट फर्रुखसियार ने शाहू को राजस्व के राजा के रूप में मान्यता दी।

बाजीराव प्रथम (1720-40):

- बालाजी विश्वनाथ के सबसे बड़े पुत्र थे।
- इन्होने निजाम-उल-मुल्क को हराया।

  → दौराहा सराय की संधि पर हस्ताक्षर किये। (1739)
- उन्होंने दिल्ली पर छापा मारा - 1737

  हैदराबाद के प्रथम निजाम आसफ जाह को हराया।

  - उनके समय में विभिन्न मराठा संघ प्रमुखता में आए।
  - पुत्र- बालाजी बाजी राव

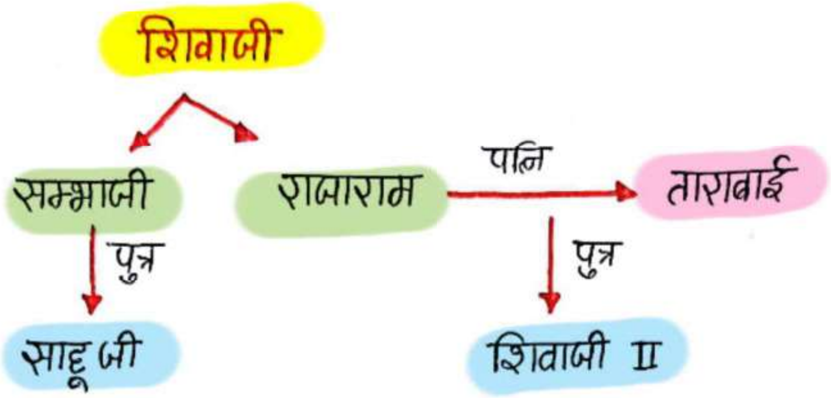
शिवाजी

सम्भाजी

राजाराम

ताराबाई

साहू जी

शिवाजी II

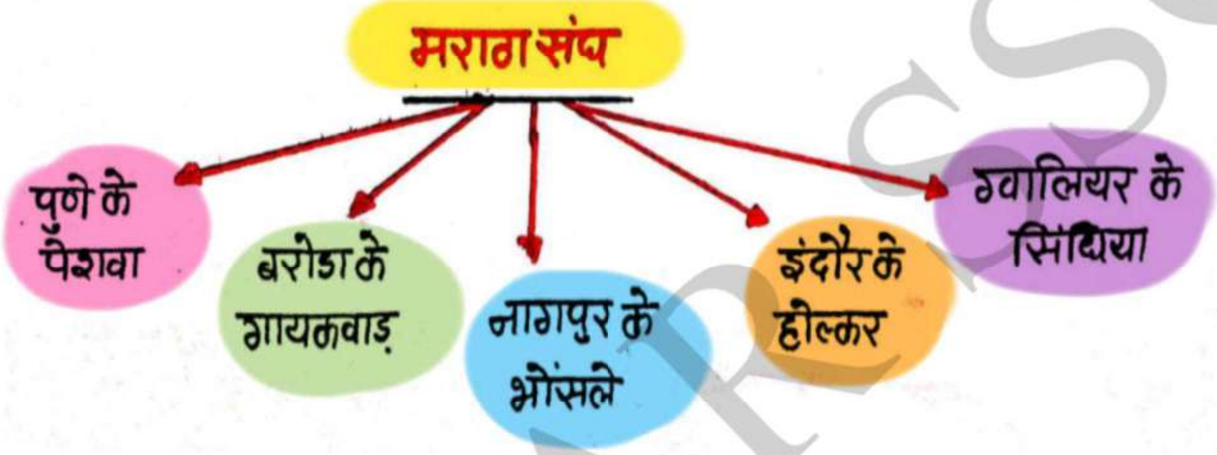
मराठा संघ

पुणे के पेशवा

बरोडा के गायकवाड़

नागपुर के भोंसले

इंदौर के होल्कर

ग्वालियर के सिंधिया

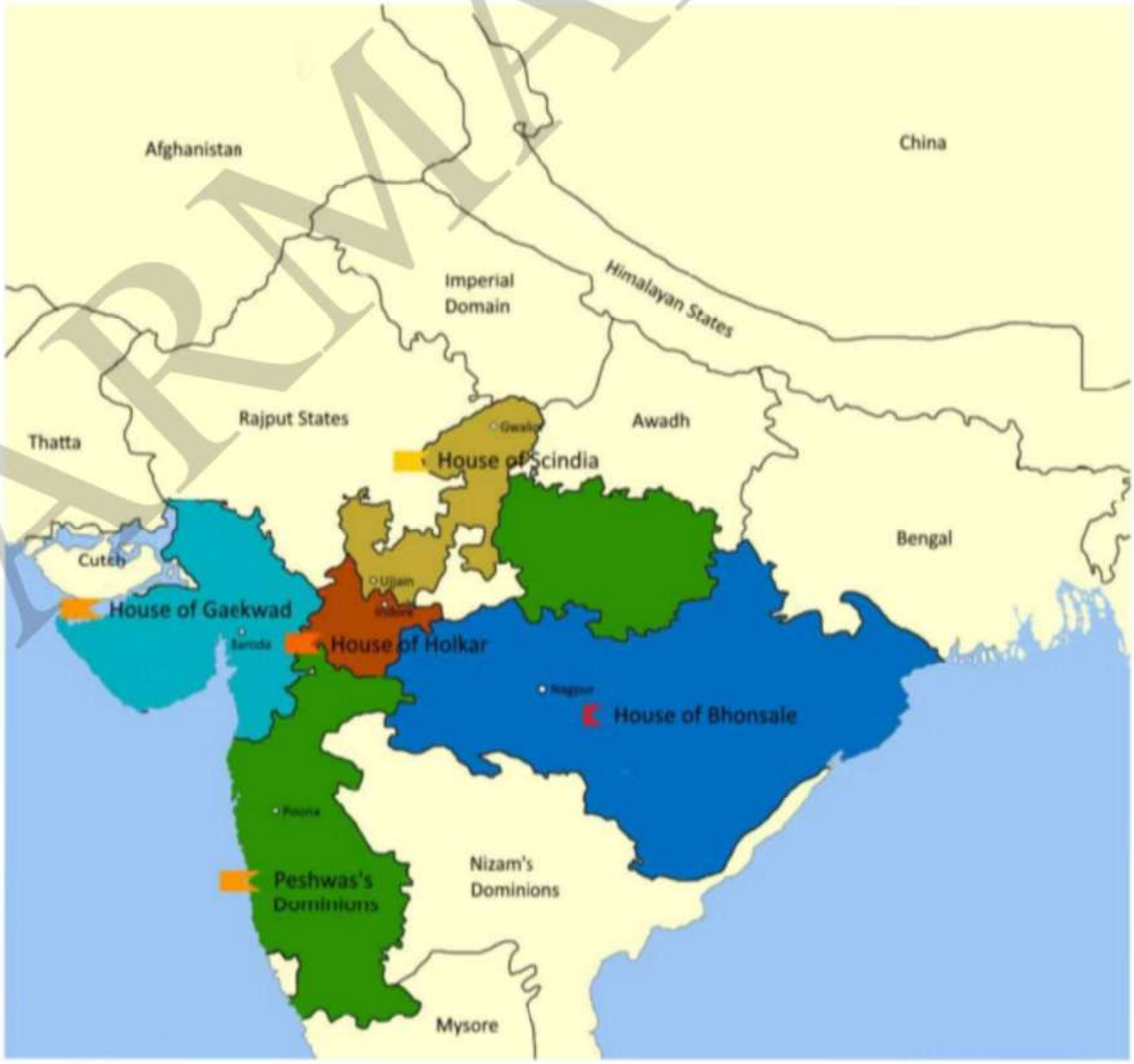
Afghanistan
China
Imperial Domain
Himalayan States
Rajput States
Thatta
Awadh
Gwalior
House of Scindia
Cutch
Bengal
Ujjain
Indore
House of Gaekwad
Baroda
House of Holkar
Nagpur
House of Bhonsale
Poona
Peshwas's Dominions
Nizam's Dominions
Mysore

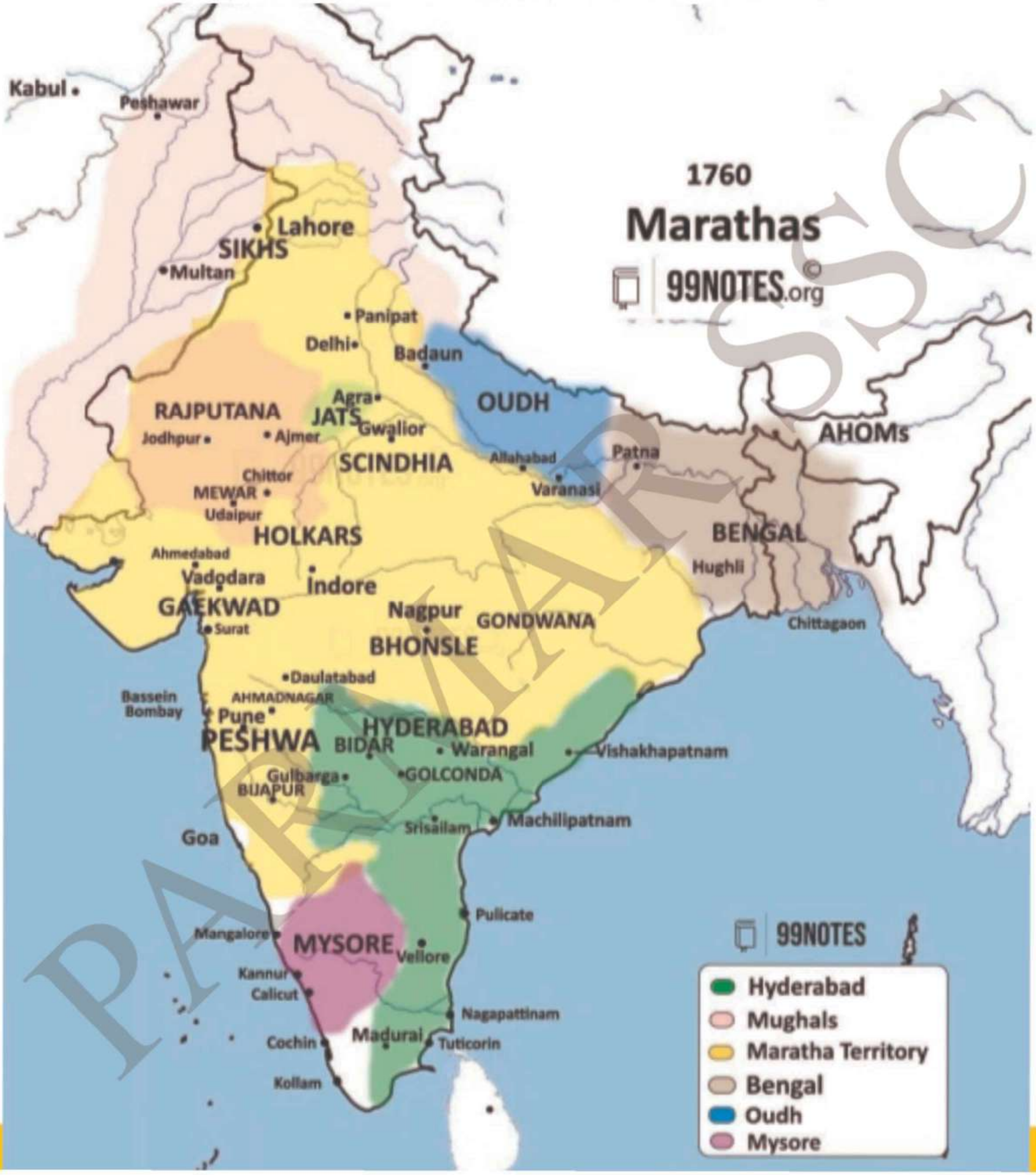
1760
Marathas
99NOTES.org ©
Kabul
Peshawar
Lahore
SIKHS
Multan
Panipat
Delhi
Badaun
OUDH
RAJPUTANA
Agra
JATS
Gwalior
Jodhpur
Ajmer
SCINDHIA
Allahabad
Patna
Varanasi
AHOMs
Chittor
MEWAR
Udaipur
HOLKARS
BENGAL
Hughli
Ahmedabad
Vadodara
Indore
GAEKWAD
Surat
Nagpur
GONDWANA
BHONSLE
Chittagaon
Daulatabad
Bassein
Bombay
AHMADNAGAR
Pune
PESHWA
HYDERABAD
BIDAR
Warangal
Vishakhapatnam
Gulbarga
GOLCONDA
BIJAPUR
Goa
Srisailam
Machilipatnam
Pulicate
Mangalore
MYSORE
Vellore
Kannur
Calicut
Cochin
Madurai
Nagapattinam
Tuticorin
Kollam
99NOTES
Hyderabad
Mughals
Maratha Territory
Bengal
Oudh
Mysore

बालाजी बाजीराव (1740-61):

- अन्य नाम - नाना साहब
- इनके कार्यकाल के दौरान पानीपत का तीसरा युद्ध लड़ा गया।

1761

मराठो Vs अफगान

2.5 लाख लोगों की मृत्यु हो गई।
विश्व के सबसे घातक युद्धों में से एक

सदाशिव राव भाऊ

मराठा हार गये

अहमदशाह अब्दाली

प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध:

1775-1782

रघुनाथ राव पेशवा बनना चाहते थे।

↑

नाना फडनवीस (वित्त मंत्री), रघुनाथ को पेशवा नही बनाना चाहते थे।

आंतरिक संघर्ष के कारण

↓

नाना फडनवीस के नेतृत्व में मराठों ने युद्ध जीता और अंग्रेज हार गये।

→ वडगांव की संधि
→ सालबाई की संधि के साथ युद्ध खत्म (1782)
→ पुरंदर की संधि (1776)

दूसरा आंग्ल मराठा युद्ध:

- 1803 - सहायक संधि पर हस्ताक्षर

↑

1802 - बेसिन की संधि → बाजीराव द्वितीय → मराठा युद्ध हार गये।

संधियाँ:
राजघाट की संधि - होल्कर के साथ
देवगांव की संधि - भोंसले के साथ

तीसरा आंग्ल-मराठा युद्ध:

- पिण्डारी युद्ध के नाम से भी जाना जाता है।
- पिन्डारी लूटपाट कर रहे थे और मराठा का हिस्सा थे। वे अंग्रेजों को भी लूट रहे थे।
  ↳ ब्रिटिशने आक्रमण कर दिया

मराठों ने अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध किया

↓ बाजीराव II को कैद कर बिठूर भेज दिया गया।

↳ निर्णायक युद्ध

→ 1818 में अंग्रेजों और होलकर सरदार के बीच मंदसौर की संधि पर हस्ताक्षर हुए।

● 1818 → पेशवा प्रथा समाप्त

→ **चौथ और सरदेशमुखी** - मराठों की कराधान प्रणाली से संबंधित

→ छत्रपति शिवाजी ने प्रतापगढ़ के युद्ध में अफजल खान को मारा।

→ छत्रपति शिवाजी & सोयराबाई ने अपने पुत्र का नाम राजा राम रखा।

→ साईबाई से शिवाजी के पुत्र - संभाजी

→ कविभूषण - साहित्यकार - बुंदेला शासक छत्रसाल के दरबार में और शिवाजी तथा औरंगजेब के दरबार में भी था।

→ अष्टमंडल में पंत प्रतिनिधि और हुकूमत पन्हा नामक दो नए पद जोड़े गये
↳ छत्रपति और राजाराम

→ मुगलसेना के विरुद्ध लड़ते हुये सिंहगढ़ के किले की सफल रक्षा में मराठा योद्धा - तानाजी मालुसरे की मृत्यु हो गयी।

→ पहला किला जिस पर शिवाजी ने कब्जा किया - तोराना (16 वर्ष)

प्रतापगढ़ की लड़ाई (10 नवंबर 1659)

शिवाजी महाराज (विजयी) Vs आदिलशाही जनरल अफजल खान

सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन

सुधार आंदोलन :

- सुधारवादी सुधार लाना चाहते थे और सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना चाहते थे।
- पुनरुत्थानवादी पुरानी चीजों को पुनर्जीवित करना चाहते थे।

आंदोलन होने के कारण:

→ समाज में सामाजिक कुरीतियाँ

- जादू टोना / टोटका
- बहुविवाह
- पर्दा प्रथा
- एक से अधिक भगवानों की पूजा
- छुआछूत

→ महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं थी।

- बहुविवाह
- सती प्रथा
- विधवा विवाह निषेध

→ महिलाओं की स्थिति के लिये उठाए गए कदम:

सती प्रथा का अंत : 1829 में राजा राम मोहन राय के प्रयासों से विलियम बैंटिक के काल में

विधवा पुनर्विवाह : विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के प्रयासों से डलहौजी के कार्यकाल में

→ विधवा विवाह उत्तेजक मण्डल

↓ डी.के. कर्वे

विधवा पुनर्विवाह संस्था
- 1853 - विष्णु शास्त्री पंडित
- 1861 - M.G. रनाडे

सत्यप्रकाश = करसानदास मुल्जी

बाल विवाह : बी. एम. मालबारी

↳ 1891 में उनकी वजह से पारित

↓

सहमति आयु अधिनियम

Age of consent act, 1891

← 12 साल से कम उम्र की लड़कियों की शादी निषेध

→ **शारदा अधिनियम : 1930**, लड़कियों की आयु 14 व लड़कों की 18 वर्ष

शिक्षा: **मैंकुले मिनट** → विलियम बैंटिक के कार्यकाल में (1835)

- ↳ अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये
- ↳ अधोमुखी निस्पंदन सिद्धांत दिया
  - ↳ ऊँची जाति / धनी व्यक्तियों को अंग्रेजी सिखाना, नीची जाति को नहीं।

→ भारत में अंग्रेजी शिक्षा का जनक - **विलियम बैंटिक**

वुड्स डिस्पैच : 1854, अधोमुखी निस्पंदन सिद्धान्त खत्म कर दिया।

- ↳ अंग्रेजी शिक्षा का मैग्नाकार्टा

  वर्नाकुलर - स्थानीय भाषा
- ↳ ऊँचे लोगों को स्थानीय भाषा + अंग्रेजी
  नीचले लोगों को स्थानीय भाषा } सिखाया जाये

महिला संगठन :

→ महिलाओं के लिये पहला विश्वविद्यालय- DK कर्वे जी द्वारा

↳ भारतीय महिला विश्वविद्यालय (1916)

→ भारत स्त्री महामण्डल → सरला देवी चौधरानी

→ महिला सामाजिक सम्मेलन → रामाबाई रनाडे

→ आर्य महिला समाज → पंडिता रामाबाई सरस्वती

→ **अखिल भारतीय महिला सम्मेलन** → मार्गरेट कजिन्स (1927)

जाति आधारित शोषण के विरुद्ध संघर्ष:

- **महाड़ सत्याग्रह**: 1927 में, भीमराव अम्बेडकर
  कुएं से पानी पिया, मनुस्मृति को जलाया
- **बहिष्कृत हितकारणी सभा**: 1924, भीमराव अम्बेडकर
  बम्बई में
- **आत्म सम्मान आंदोलन**: दक्षिण भारत में, तमिलनाडु
  E.V. रामास्वामी नाइकर, 1925 में
  (अन्यनाम - पेरियार)

केरल में - नारायणगुरु
महाराष्ट्र - ज्योतिबा फूले
→ सभी के लिये, एक धर्म, एक जाति, एक भगवान

राजा राम मोहन राय और ब्रह्म समाज:

अग्रदूत - आत्मीय सभा - 1814 में
↳ कलकत्ता में

राजा राम मोहन राय → भारतीय पुनर्जागरण के पिता
↳ अकबर II द्वारा दी गई उपाधि
→ हिन्दू कॉलेज की स्थापना 1817 में, कलकत्ता में
↳ डेविड हेयर की सहायता से
→ 1825 में वेदांत कॉलेज

बनारस हिन्दू कॉलेज - 1791 → जोनाथन डंकन ने

रचनायें:
1. एकेश्वरवाद को उपहार
2. जीसस के उपदेश
3. मिरात-उल-अखबार
4. संवाद कौमुदी पत्र

- 1828 → ब्रह्म सभा की स्थापना
- 1839 → तत्वबोधिनी सभा → संस्थापक → देवेन्द्रनाथ टैगोर ↓ तत्वबोधिनी पत्रिका (बंगाली भाषा में)
- 1858 मे केशव चन्द्र सेन ब्रह्म सभा में शामिल
- 1866 में भंग हो जाती है।

भारतीय ब्रह्म समाज (केशव चन्द्र सेन)
↓
1878 - साधारण ब्रह्मसमाज

आदि ब्रह्म समाज (देवेन्द्रनाथ टैगोर)

वेद समाज : दक्षिण भारत का ब्रह्म समाज
1864, मद्रास
→ के. श्री धरलु नायडू
→ केशव चंद्र सैन

Raja Radhakant, Deva Bahadur
Author of the Sanscrit Encyclopaedia
"Cabda Kalpa Druma."
1857

- **धर्मसभा :** 1830 - राधाकांत देव → राजा राममोहन राय के विचार के खिलाफ थे/
- **परमहंस मण्डली :** 1849, दादूबा पांडुरंग ने मेहताजी दुर्गाराम
  ↓
  महाराष्ट्र में

- **प्रार्थना समाज :** 1867, आत्मारंग पांडुरंग (आत्माराम) केशवचन्द्र सेन की सहायता से
  ↓
  महाराष्ट्र में
  → बाद मे MG रनाडे भी शामिल

- **सत्यशोधक समाज :** 1873 में, ज्योतिबाराव फुले ने
  ↳ माली जाति से
  ↳ पुस्तक - 1. गुलामगिरी - 1873 (मराठी)
  2. सार्वजनिक सत्यधर्म
  ↓
  महाराष्ट्र में

उद्देश्य - जाति प्रथा के विरुद्ध

(पत्नि

[भारत की पहली महिला अध्यापक - सावित्री बाई फुले|
↳ पूना में पहला बालिका विद्यालय खोला (1848)

आर्य समाज :

1875, स्वामी दयानन्द सरस्वती

↳ वास्तविक नाम - मूलशंकर

- पहली इकाई - बॉम्बे में
- बाद मे HQ - लाहौर
- पुस्तक - सत्यार्थ प्रकाश
- नारें - वेदो की ओर लौटो
  भारत, भारतियों के लिये है।
  (पुराणो की आलोचना की)

{चतुर्वर्ण व्यवस्था का समर्थन किया।
(काम के आधार पर जाति)}

{कर्म और पुनर्जन्म में विश्वास करते थे।}

- जातिविहीन और वर्गविहीन समाज की वकालत की।
- वह मूर्ति पूजा के खिलाफ थे।

DAV कॉलेज :

1866, लाहौर में

दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज

लाहौर में, 1893

कॉलेज पार्टी | महात्मा पार्टी

- आर्य समाज ने → शुद्धि आंदोलन की शुरुआत की।

↓

. ईसाई धर्म में धर्मांतरित होकर हिन्दू धर्म में वापस आने वाले लोगों के शुद्धिकरण के लिये शुरू किया गया।

रामकृष्ण आंदोलन :

मूर्तिपूजा

रामकृष्ण परमहंस (कलकत्ता के दक्षिणेश्वर में काली मठ में साधु थे)

वास्तविक नाम → गदाधर-चट्टोपाध्याय

शिष्य ↓

स्वामी विवेकानन्द → पुस्तक → राजयोग, कर्मयोग

↳ वास्तविक नाम - नरेन्द्रनाथ दत्त

जन्म - 12 जनवरी 1863.

↳ राष्ट्रीय युवा दिवस

मृत्यु - 4 जुलाई 1903

"मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।"

- स्वामी विवेकानन्द जीने **रामकृष्ण मिशन** की शुरूआत की।
  - ↳ 1897 में (HQ - बेलूर मठ)
  - ↓ गुरु रामकृष्ण परमहंस की शिक्षा का प्रचार प्रसार करने के लिये
- 1893 में → शिकागो (USA) मे भाषण दिया।
- स्वामी विवेकानन्द भौतिकवाद और नैतिकतावाद के बीच संतुलन बनाने की वकालत की।

स्वामी विवेकानंद रॉक मेमोरियल → तमिलनाडु (कन्याकुमारी)

सिंह सभा आंदोलन : सिक्ख धर्म के सुधार के लिए

↳ 1873, अमृतसर

गोपाल गणेश अगरकर : सुधारक (समाचार पत्र)
(मराठी) (साप्ताहिक)

- **बालशास्त्री जाम्भेकर :** 2 समाचारपत्र
  - दर्पण
  - दिग्दर्शन

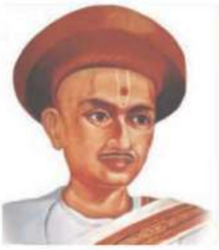

- **गोपाल हरी देशमुख** - लोकहितवादी (ज्ञान प्रकाश, इंदु प्रकाश)
- **सर्वेंट्स ऑफ इंडियन सोसायटी :** गोपालकृष्ण गोखले, 1905 मे
  ↑
  गांधी जी के राजनीतिक गुरु

(Servents of Indian Society)

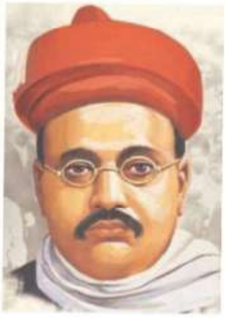

- **सोशल सर्विस लीग :** बम्बई मे, नारायण मल्हार जोशी
  {1920 मे, अखिल भारतीय मजदूर संघ की भी स्थापना की।}

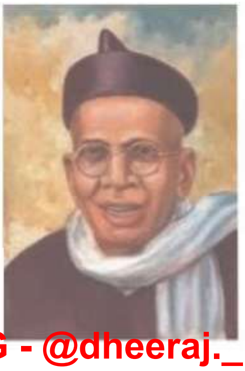

- **सेवा सदन:** 1908, BM मालाबारी ने.

- **देव समाज:** शिवनारायण अग्निहोत्री
  1887 में, लाहौर
- **SNDP आंदोलन:** केरल मे, श्री नारायण गुरु स्वामी थे
  एजहवास जाति के उत्थान के लिये।

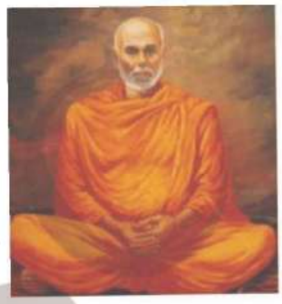

↓ अरुविपुरम आंदोलन

→ श्रीनारायण गुरु धर्म परिपालन (SNDP)

→ एक जाति, एक धर्म, एक भगवान मानव जाति के लिए
(ओरु जाति, ओरु मथम, ओरु दैवम, मनुष्यु)

सतनामी आंदोलन:

- छत्तीसगढ़ क्षेत्र में 1820 के दशक में शुरू
- सतनामी संप्रदाय के गुरु घासीदास द्वारा शुरु किया गया।
  (वह चमड़े के कामगारों के साथ काम करते थे)

- **न्याय आंदोलन:** 1917 में

CN मुदलियार
TM नायर
P त्यागराज
} द्वारा

Dr. C. Natesan

Dr. T.M. Nair

P. Theagarayar

- **मंदिर प्रवेश आंदोलन:** 1927 में, भीमराव अम्बेडकर (उत्तर भारत में)
  1924 में, TK माधवन (दक्षिण भारत में)

- बायकॉम सत्याग्रह - KP केशव

आत्म सम्मान आंदोलन: 1924 → केरल

संस्थापक- ई. वी. रामास्वामी नायकर

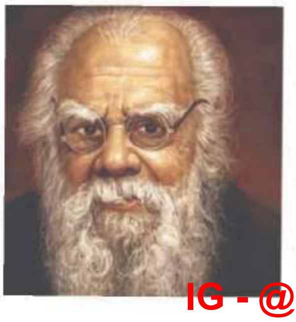

PARMAR SS

भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन : MG रनाडे, रघुनाथ राव } 1887, मद्रास में

पूण आंदोलन - रघुनाथ राव

↳ { बाल विवाह नहीं
लडकियों की शिक्षा पर जोर }

थियोसॉफिकल सोसायटी : 1875 में, न्यूयॉर्क

HP ब्लावत्सकी
MS अलकाट

HQ → अड्यार, मद्रास (1882 में)

बाद में एनी बेसेंट ने इसकी सदस्यता ग्रहण की।

यंग बंगाल आंदोलन : 1829 में

हेनरी विवियन डेरोजियो (हिंदू कॉलेज → अध्यापक)

अलीगढ़ आंदोलन : सर सैय्यद अहमद खान → पत्रिका → तहदीब - उल - अकलाक

↓ मोहम्मदन एंग्लो- ओरिएंटल कॉलेज (1875)

↳ 1920 में, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय

देवबन्द आंदोलन : 1868 में

मुहम्मद कासिम नानोटोवी
राशिद अहमद गंगोही

एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल : 1784, सर विलियम जोन्स

→ विष्णुशास्त्री चिपलूनकर ने सामाजिक सुधार के लिये 1874 में मासिक मराठी पत्रिका - निबन्धमाला शुरू की।

→ मध्य भारत में सतनामी आंदोलन का उद्देश्य - चमड़ा श्रमिकों की सामाजिक स्थिति में सुधार लाना।

→ ब्रह्म वाचा - देवेन्द्र नाथ टैगोर ने

फराजी आंदोलन : हाजी शरीयतुल्लाह द्वारा शुरुआत

- एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल की स्थापना- 1784, सर विलियम जोन्स द्वारा
- सामुदायिक नेतत्व में उनके योगदान के लिए रेमन मैंग्सेस पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले भारतीय आचार्य विनोबा भावे।
- स्त्री-पुरुष तुलना (पुस्तक) → ताराबाई शिंदे

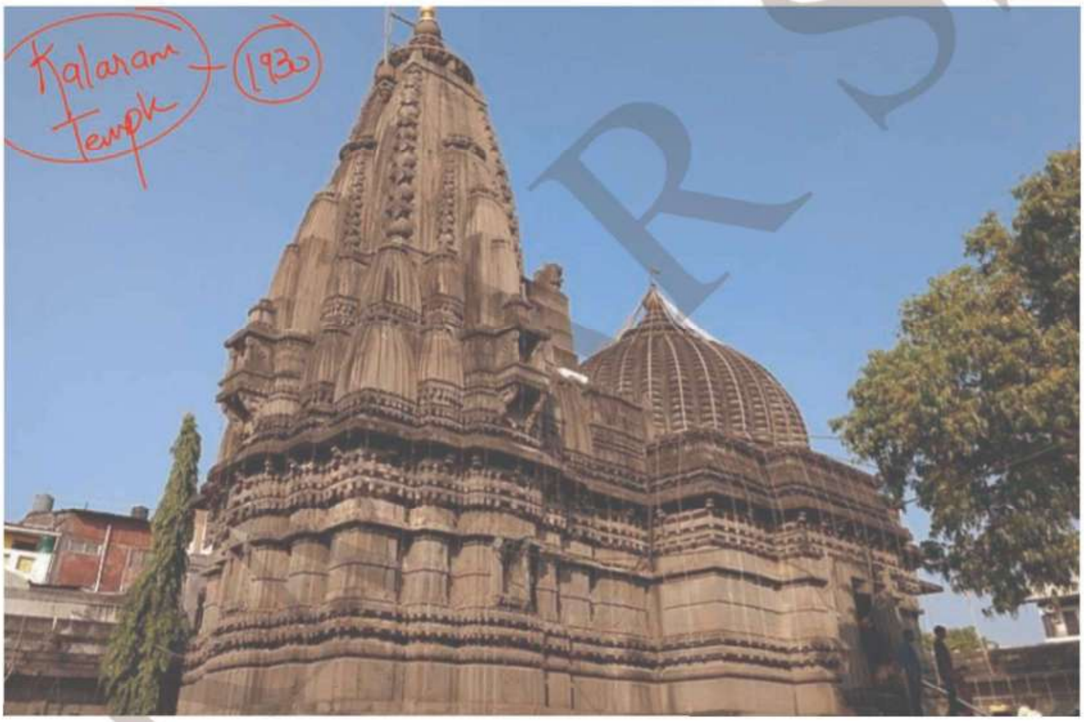
Kalaram Temple
1930

PA R SSC

" 1857 की क्रांति "

1857 के पहले विद्रोह :

मुख्य कारण   भूमि सुधार

स्थायी बन्दोबस्त : 1793 में, कार्नवालिस द्वारा बंगाल में

जमींदारी प्रथा

सूर्यास्त का नियम- सूरज डूबने से पहले राजस्व लाकर देना होगा।

- मध्यस्थ - जमींदार
- क्षेत्र- बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश

रैयतवाड़ी पद्धति : रैयत = किसान (रिकार्डो का लगान सिद्धांत)

1820 में, थॉमस मुनरो तथा अलेक्जेंडर रीड

मद्रास में

प्रत्येक पंजीकृत भूमिदार को भूमि का स्वामी माना जाता था।

महालवाड़ी व्यवस्था : 1822 में,

हॉल्ट मैकेन्जी → बंगाल प्रांत में

विलियम बैंटिक → पंजाब प्रांत में

महाल- गांव या जागीरों को कहा जाता था।

- ग्राम प्रधान राजस्व एकत्र करता था (नियुक्त नहीं)

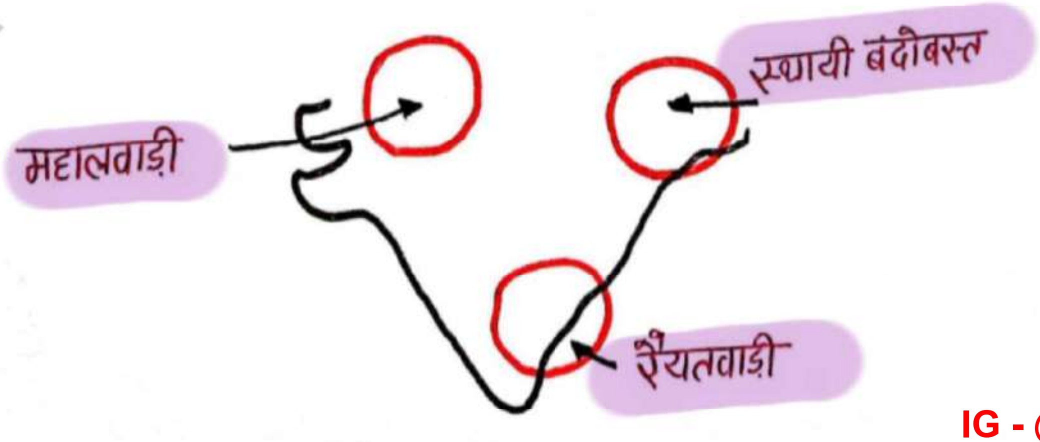

संयासी विद्रोह: 1764 में

बिहार, बंगाल प्रांत में

मंजू शाह, भवानी पाठक, देवी चौधरानी

- आनंदमठ (उपन्यास) → बंकिमचंद्र चटर्जी

- **पैका विद्रोह:** 1817 में, उडीसा
  नेतृत्वकर्ता- बख्शी जगबन्धु विद्याधर

1803 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा खुर्दा (उड़ीसा) की विजय के बाद पाइकों की शक्ति एवं प्रतिष्ठा घटने लगी।

- **अहोम विद्रोह:** 1822 में, असम
  नेतृत्वकर्ता- गोमधर कुंवर

सराईघाट का युद्ध: सन 1671 में मुगल साम्राज्य और अहोम साम्राज्य के बीच ब्रह्मपुत्र नदी पर सराईघाट में हुआ था।

→ लचित बोरफुकन

→ नेतृत्व-रामसिंह (शासक - औरंगजेब)
हार

- **पागलपंथी विद्रोह:** 1825, बंगाल में
  नेतृत्वकर्ता- करमशाह, टीपू
- **मोपला विद्रोह:** 1836, मालाबार में
- **कोल विद्रोह:** 1831 में
  नेतृत्वकर्ता- बुद्धो भगत

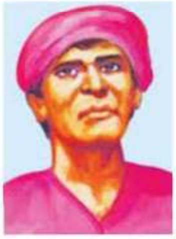

- **हो व मुण्डा विद्रोह:** खुण्टकट्टी प्रणाली = सामूहिक स्वामित्व
  1899 में, बिरसा मुण्डा

1899 में, बिरसा मुण्डा

रांची, सिंहभूम में;

↳ जन्म- 15 नवंबर

↓

जनजातीय गौरव दिवस

बाहरी लोगों को ये दिकु बोलते थे।

- → 15 नवंबर- झारखण्ड स्थापना दिवस
- → मृत्यु- 1900
- → दिकुओं के विरुद्ध
- → उलगुलान विद्रोह

• सन्थाल विद्रोह:

↓

तीसरी सबसे बड़ी जनजाति

1855 में, राजमहल पहाड़ियों मे हुआ।

संथाल - जंगल/भूमि को साफ करते थे।

नेतृत्वकर्ता- सिद्धू व कानू

- → संथाल जनजाति → भारत की तीसरी सबसे बड़ी
- → दामिनी-ए-कोह (संथालों के लिए सीमांकित भूमि का एक बड़ा क्षेत्र)
  ↳ 1832

• इण्डिगो / नील विद्रोह:

↓

दिगंबर विश्वास
(शुरू करने वाले)

1859 में, सफल विद्रोह

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में

सहायक- नील दर्पण पुस्तक → दीनबंधु मित्र

- → नेता- दिगंबर विश्वास और विष्णु विश्वास
- → नील की कृषि, अंग्रेजों के खिलाफ किसानों का विद्रोह
- → यह एक सफल विद्रोह था।

1857 विद्रोह के कारण:

- आर्थिक कारण- पारंपरिक पेशा/व्यवसाय खत्म हो गया।
- सामाजिक धार्मिक कारण

ब्रिटिश नीति: कैनिंग

↳ सामान्य सेवा स्थापना अधिनियम

जिसके तहत आदेश मिलने पर बंगाल सेना के भारतीय सैनिकों को ड्यूटी के लिये विदेश भेजा जा सकता है।

हड़प नीति
↓
डलहौजी

1. सतारा - 1848
2. सम्बलपुर, जैतपुर - 1849
3. उदयपुर - 1852
4. झांसी - 1853

तात्कालिक कारण- 'एनफील्ड' राइफल का प्रचलन

↳ पुरानी ब्राउन बैस बंदूक के स्थान पर एनफील्ड रायफल का प्रयोग एवं कारतूसों में सुअर व गाय की चर्बी मिली होने की सूचना।

कारतूस को बंदूक में भरने से पहले उसे मुंह से काटना पड़ता था, इसलिए हिंदू और मुस्लिम सैनिक इसका इस्तेमाल करने से कतराते थे।

शुरुआत:

29 मार्च 1857 → **मंगल पांडे** → 34वीं रेजीमेण्ट बैरकपुर

↓ अपने लेफ्टिनेंट बाग की हत्या कर दी।
मेजर ह्यूरसन को गोली मार दी।

फाँसी
8 अप्रैल 1857

- 24 अप्रैल - 3rd नेटिव कैवेलरी ने ग्रीसयुक्त कार्टिलेज का उपयोग करने से इनकार कर दिया।
- 9 मई - बर्खास्त और 10 साल की सजा।
- 81 वर्षीय बहादुर शाह जफर को सामूहिक रूप से 1857 के विद्रोह के नेता के रूप में चुना गया।

10 मई 1857 को मेरठ की सेना ने विद्रोह कर दिया|

विद्रोह के नेता:

बरेली → खान बहादुर खान (रुहेला)
झांसी → रानी लक्ष्मीबाई (मणिकर्णिका ताम्बे - मनु)
फैजाबाद → मौलवी अहमदुल्लाह
दिल्ली → जनरल भक्त खान (बहादुर शाह II)
लखनऊ → बेगम हजरत महल
कानपुर → नाना साहब / तात्या टोपे

नाना साहब → बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र
- → बिठूर भेज दिया (कानपुर)
- → तीसरे आंग्ल मराठा युद्ध 1818 में

बिहार → कुंवर सिंह
उत्तर प्रदेश → शाहमल

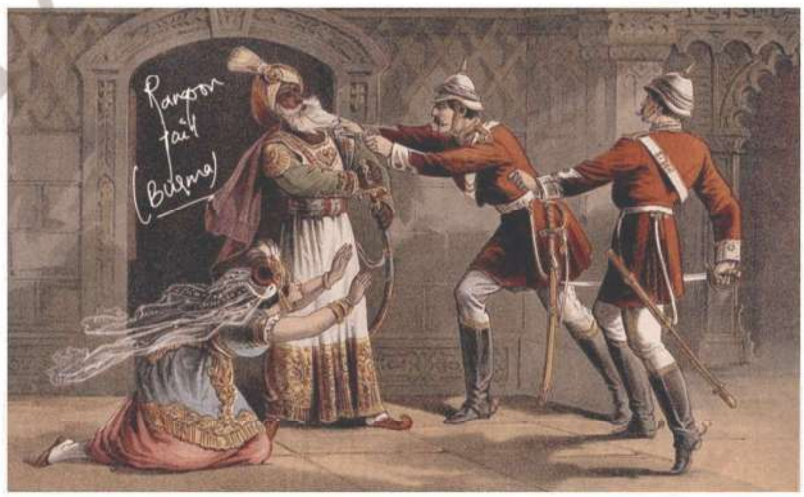

विद्रोह के दमनकर्ता:

दिल्ली → जॉन निकोल्सन
लखनऊ → हेनरी लॉरेन्स
कानपुर → कोलिन कॉम्पबेल
झांसी → ह्यूरोज

ग्वालियर - 20 जून 1858, विद्रोह को पूरी तरह से दबा दिया गया|

1857 के विद्रोह के बाद:

1858 का भारत शासन अधिनियम:

- ईस्टइंडिया कंपनी का शासन खत्म।
  - सीधे राजा/ रानी का शासन
- सैना में भारतीयों की संख्या कम की गई। (पील आयोग)
- गवर्नर जनरल को वायसराय बना दिया।
  - पहला वायसराय- **कैनिंग**
- जनरल का सचिव- नयी पद
  - 15 सदस्यीय परिषद

1857 के विद्रोह की असफलता के कारण:

- सीमित क्षेत्रीय और सामाजिक आधार
- समन्वय और नेतृत्व की कमी
- राजनीतिक दृष्टिकोण का अभाव

1857 के विद्रोह पर टिप्पणियाँ:

- प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (First war of Independance) - वीडी सावरकर
- 1857 में, कुंवर सिंह के नेतृत्व में जगदीशपुर में अंतरिम सरकार की स्थापना की।
- वीरपांड्या कट्टाबोम्मन - तमिलनाडु राज्य से
- Poverty and Unbritish Rule in India- दादा भाई नौरोजी
  - ब्रिटिश शासन के आर्थिक प्रभाव की तीखी आलोचना की है।

दक्कन विद्रोह- 1875

रामोसी किसान बल- 1879
- वासुदेव बलवंत फड़के
- महाराष्ट्र

पबना विद्रोह- 1873-76

ईशान चंद्र रॉय, जमींदारों के उत्पीड़न के खिलाफ एक प्रतिरोध आंदोलन।

" भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस "

कांग्रेस से पहले गठित संगठन :

बंगभाषा प्रकाशिका सभा : 1836 में,
राजाराम मोहन राय ने साथियों के साथ

ईस्ट इण्डिया एसोसिएशन : 1866 में
दादा भाई नौरोजी ने

पूना सार्वजनिक सभा : 1870 में
MG रनाडे ने

इण्डियन लीग : 1875 में
शिशिर कुमार घोष ने → अखबार - अमृत बाजार पत्रिका

इण्डियन एसोसिएशन : 1876 में
सुरेन्द्र नाथ बनर्जी, आनन्द मोहन बोस

बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन : 1885 में
फिरोजशाह मेहता , KT तेलांग, बदरूद्दीन तैयबजी

मद्रास महाजन सभा : 1884 में → एम. वीरराघवाचारी, जी सुब्रमण्डम , पी आनंद चार्लू

→ भारतीय सिविल सेवा (ICS) परीक्षा पास करने वाले पहले भारतीय - सत्येन्द्र नाथ टैगोर

दादा भाई नौरोजी : ब्रिटिश संसद के सदस्य बनने वाले पहले व्यक्ति (भारतीय)
↳ लिबरल पार्टी से

- पहले व्यक्ति जिन्होंने भारत के राष्ट्रीय आय की गणना की/
- सर्वप्रथम गरीबी रेखा को दिया/
- रस्त गोफ्तार पत्रिका → पारसी समुदाय के लिये
- किताब → Poverty and Unbritish rule in India
  ↳ धन निष्कासन सिद्दांत दिया/

3 बार कांग्रेस अध्यक्ष (1886, 1893, 1906)
उन्हें 'भारत का वयोवृद्ध पुरुष' कहा जाता है/

- 'स्वराज' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किया/

कांग्रेस का गठन:

संस्थापक → एलन आक्टोवियम ह्यूम
- → पक्षी विशेषज्ञ
- → ICS उत्तीर्ण
- → भारतीय पक्षी विज्ञान के जनक

पहली बैठक: 1885 में पूना मे होनी थी, परन्तु प्लेग फैलने से नहीं हुयी।

1885 में, गोकुलदास तेजपाल संस्कृत विद्यालय में, बम्बई

72 लोगों ने भाग लिया (महिला X) मुसलमान = 2

इल्बर्ट बिल : 1884 इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल

नाम → कर्टेने इल्बर्ट के नामपर

बिल का प्रचार → रिपन ने

→ वरिष्ठ भारतीय मजिस्ट्रेटों को भारत में ब्रिटिश विषयों से जुड़े मामलों की अध्यक्षता करने की अनुमति देने की मांग की गयी थी।

विभिन्न सिद्धांत:

- सेफ्टी वाल्व का सिद्धांत → लाला लाजपत राय ने (यंग इंडिया)
- षड्यंत्र सिद्धांत → R.P. दत्त
- तड़ित-चालक का सिद्धांत → गोपाल कृष्ण गोखले

→ कांग्रेस बनने के समय वायसराय → डफरिन

→ कांग्रेस को राजद्रोह की फैक्ट्री कहा

कांग्रेस के महत्वपूर्ण सत्र:

प्रथम अधिवेशन: 1885, बम्बई में

अध्यक्ष- व्योमेश चन्द्र बनर्जी

72 लोग शामिल

दूसरा: 1886 में, कलकत्ता

अध्यक्ष - दादा भाई नौरोजी

434 लोग

तीसरा : 1887 में, मद्रास में
अध्यक्ष- बदरुद्दीन तैयबजी (प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष)

चौथा : 1888, इलाहाबाद में
अध्यक्ष- जार्ज यूल (पहला अंग्रेज अध्यक्ष)

1896 में : कलकत्ता में
पहली बार वंदेमातरम गाया गया
↓ लिखा – बंकिम चन्द्र चटर्जी
↳ रवीन्द्रनाथ टैगोर ने

1901 में : कलकत्ता में
प्रथम बार गांधी जी की उपस्थिति

1905 में : बनारस में (स्वदेशी)
अध्यक्ष - गोपाल कृष्ण गोखले

1906 में : कलकत्ता में
अध्यक्ष- दादा भाई नौरोजी
4 प्रस्ताव
- बंगाल विभाजन रद्द करना
- बहिष्कार
- राष्ट्रीय शिक्षा
- स्वदेशी

1907 में : सूरत में
कांग्रेस का विभाजन { गर्मदल / नरमदल
अध्यक्ष - रासबिहारी घोष

1911 में : कलकत्ता में.
पहली बार राष्ट्रगान गाया गया/
↳ लिखा – रवीन्द्रनाथ टैगोर

1916 में : लखनऊ में
अध्यक्ष - अम्बिका चरण मजूमदार
कांग्रेस का विभाजन रद्द हो गया/

लखनऊ समझौता/पैक्ट → मुस्लिम लीग + भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

1917 में : कलकत्ता में
अध्यक्ष- एनी बेसेंट (प्रथम महिला अध्यक्ष)

1924 में : बेलगांव (कर्नाटक) में
अध्यक्ष- महात्मा गांधी → एकमात्र अधिवेशन जिसमें गांधी जी ने अध्यक्षता की।

1925 में : कानपुर में,
अध्यक्ष- सरोजिनी नायडू (दूसरी महिला एवं प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष)

1929 में : लाहौर में
अध्यक्ष- जवाहर लाल नेहरू → 26 जनवरी 1930 → पहला स्वतंत्रता दिवस

1931 में : करांची में
अध्यक्ष- सरदार पटेल

1937 में : फैजपुर में, पहला गांव में अधिवेशन
अध्यक्ष - जवाहर लाल नेहरू

1938-1939 : गांधी Vs सुभाष चंद्र बोस

↳ जन्म - 23 जनवरी (पराक्रम दिवस)

1938 में

हरिपुरा (गुजरात) में अधिवेशन आयोजित किया गया और सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया।

1939 में

त्रिपुरी (MP) में अधिवेशन आयोजित किया गया और सुभाष चंद्र बोस को पुनः अध्यक्ष चुना गया, लेकिन गांधी जी बोस के पक्ष में नहीं थे, जिसके कारण बोस ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा।

सुभाष चंद्र बोस Vs पट्टाभि सीतारमैया

→ 1939 में राजेंद्र प्रसाद अध्यक्ष चुने गये।

मदन मोहन मालवीय - कांग्रेस के सर्वाधिक बार अध्यक्ष बने।

जेबी कृपलानी - अध्यक्ष जिन्होंने अस्वतंत्र भारत के अंतिम सत्र की अध्यक्षता की।

कांग्रेस के सबसे युवा अध्यक्ष- अबुल कलाम आजाद

"गवर्नर जनरल"

विलियम बेंटिक : भारत के प्रथम गवर्नर जनरल

(1828-1835)

- 1829: सती प्रथा का अंत
- ठगी का दमन
- सर्किट न्यायालयों को समाप्त किया।

- आधुनिक शिक्षा का जनक - मैकुले मिनट (1835)

मेटकाफ (1835-1836) : भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता

डलहौजी (1848-1856) :
- हड़प नीति
- पहली रेल लाइन - 1853 (मुम्बई से थाणे, 34 km)

- विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856
- डाक अधिनियम, टेलीग्राफ लाइनें पूरे भारत में फैली
- वुड डिस्पैच - 1854 (मैग्नाकार्टा)

मेयो (1869-1872) : उनके समय में पहली जनगणना हुई (1872)

↳ पूर्ण नहीं, लेकिन समन्वित जनगणना

- भारतीय सांख्यिकी सर्वेक्षण

↓

शेर अली अफरीदी

लिटन (1876-1880):
- शस्त्र अधिनियम, 1878
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट, 1878 लाया गया।
- प्रथम समाचार पत्र - 'बंगाल गजट'
  - ↳ जेम्स ऑगस्टस हिक्की

↓

पहला दिल्ली दरबार
(1877)

रिपन (1880-1884):
- इल्बर्ट बिल विवाद
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट निरस्त & शस्त्र अधिनियम (1882)
- 1st समकालिक/ पूर्ण जनगणना (1881)
- स्थानीय स्वशासन के जनक
- हंटर कमीशन (1882) ⟶ शिक्षा से संबंधित
- फैक्ट्री अधिनियम (1881)

वॉरेन हेस्टिंग (1773-85):
- बंगाल का पहला गवर्नर जनरल
- रेगुलेटिंग एक्ट 1773
- पिट्स इंडिया एक्ट (1784)

- प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध : 1775-82
  - → सालबाई की संधि (1782)
- दूसरा आंग्ल-मैसूर युद्ध : 1780-84
  - → हैदर अली ---- टीपू सुल्तान
- एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल - 1784

कार्नवालिस (1786-93): भारतीय सिविल सेवा का जनक, दरोगा प्रणाली

- तीसरा मैसूर युद्ध: (1790-92)
  - ↳ श्रीरंगपट्टनम
- स्थायी बंदोबस्त - 1793
- मृत्यु - भारत
- मकबरा - गाजीपुर

जॉन शोर (1798-98)

वेलेजली (1798-1805):
- 2nd मराठा युद्ध : 1803-05
- 4th मैसूर युद्ध : 1799

- वेसिन की संधि - 1802
  - ↳ बाजीराव II

हेस्टिंग्स (1813-23):
- 3rd मराठा युद्ध : 1817-19
- आंग्ल नेपाल युद्ध : 1814-16
  - ↳ सागौली की संधि

- रैयतवारी प्रणाली - 1820
  (मुनरो & रीड)

→ मिंटो I - अमृतसर की संधि (1809)
↳ रणजीत सिंह Vs अंग्रेज

मिंटो (1807-13):

ऑकलैंड (1836-42): प्रथम अफगान युद्ध (1838-42)
↳ रणजीत सिंह का निधन

हार्डिंग प्रथम (1844-48): प्रथम आंग्ल-सिक्ख युद्ध (1845-46)
↳ लाहौर की संधि

कैनिंग (1856-57): 1857 का विद्रोह
↳ EIC समाप्त
↳ भारत के प्रथम वायसराय

- 1858 - भारत शासन अधिनियम - वायसराय

- IPC , CrPC

डफरिन : कांग्रेस का गठन

कर्जन (1899-1905):
- बंगाल का विभाजन
- भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम
- कलकत्ता निगम अधिनियम
- कर्जन किचनर विवाद
- युवा पति मिशन

हार्डिंग II (1910-16): तीसरा दिल्ली दरबार
↳ राजा जॉर्ज पंचम के सम्मान में

राजधानी परिवर्तित : कलकत्ता ⟶ दिल्ली

मिंटो II (1905-10):
- मुस्लिम लीग का गठन (1906) (आगा खाँ द्वारा)
- सूरत विभाजन

चेम्सफोर्ड (1916-21):
- भारत सरकार 1999 में
- मोंटेग्यू चैम्सफोर्ड सुधार
- रौलेक्ट एक्ट
- जलियावाला बाग हत्याकांड

रीडिंग (1921-1926)

→ 1929 में, कांग्रेस ने लाहौर में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की।

→ भारतीय राष्ट्रीय संघ की स्थापना - 1876, आनंद मोहन बोस

→ 1947 में कांग्रेस के अध्यक्ष - जेबी कृपलानी

→ दिसंबर 1907 में सूरत में राष्ट्रवादी प्रतिनिधियों के सम्मेलन की अध्यक्षता - श्री अरबिंदो

→ पूर्ण स्वराज की मांग को अपनाया गया - लाहौर अधिवेशन

→ असहयोग आंदोलन - नागपुर अधिवेशन 1920

→ भारतीय राष्ट्रीय संघ की स्थापना - 1876 में

→ अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के पहले अध्यक्ष - लाला लाजपत राय

→ ऑस्ट्रेलिया & कनाडा जैसे स्वशासित उपनिवेशों के मॉडल पर ब्रिटिश साम्राज्य में 'स्वराज्य' या स्वशासन का दावा 1905 में कांग्रेस के मंच से प्रस्तुत - गोपाल कृष्ण गोखले

बंगाल विभाजन :

Bengal
Eastern Bengal
& Assam

Bengal
(1905-1911)

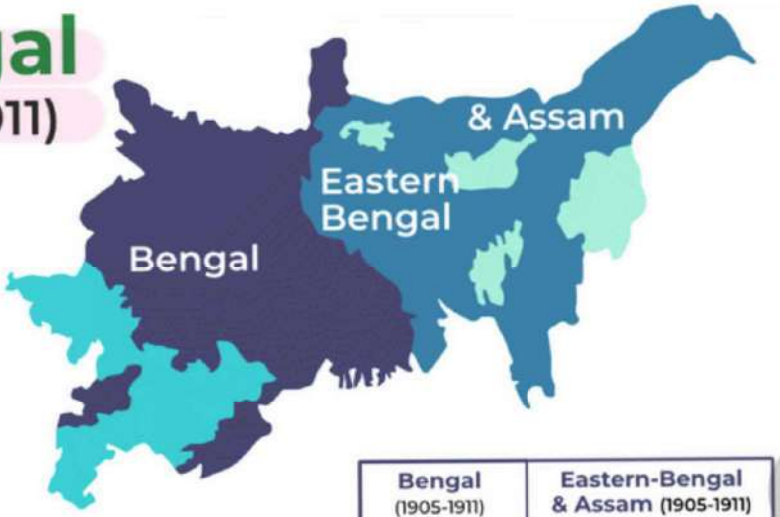
Bengal
Eastern Bengal
& Assam

	Bengal (1905-1911)	Eastern-Bengal & Assam (1905-1911)
Area *(Km²)*	366,692	275,938
Population *(Mn)*	54	31
Muslims *(Mn)*	9	18
Muslims *(%)*	16.67	58.06

1905 में, कर्जन द्वारा (1899-1905) →

कारण- प्रशासनिक सुविधा के आधार पर
लेकिन मुख्य उद्देश्य- बंगाल को कमजोर करना।

बंगाल की जनसंख्या → कुल ब्रिटिश भारत की जनसंख्या का 1/4 भाग
↳ राष्ट्रवादी गतिविधियों का मुख्य केंद्र

कर्जन की क्रांतिकारी नीतियाँ :

- कलकत्ता कार्पोरेशन अधिनियम 1899
- सरकारी गोपनीयता अधिनियम 1904
- भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम 1904
- बंगाल विभाजन 1905

बंगाल {
पश्चिमी बंगाल - हिन्दू बहुसंख्यक
पूर्वी बंगाल - मुस्लिम बहुसंख्यक

घोषणा- जुलाई 1905
लागू - अक्टूबर 1905

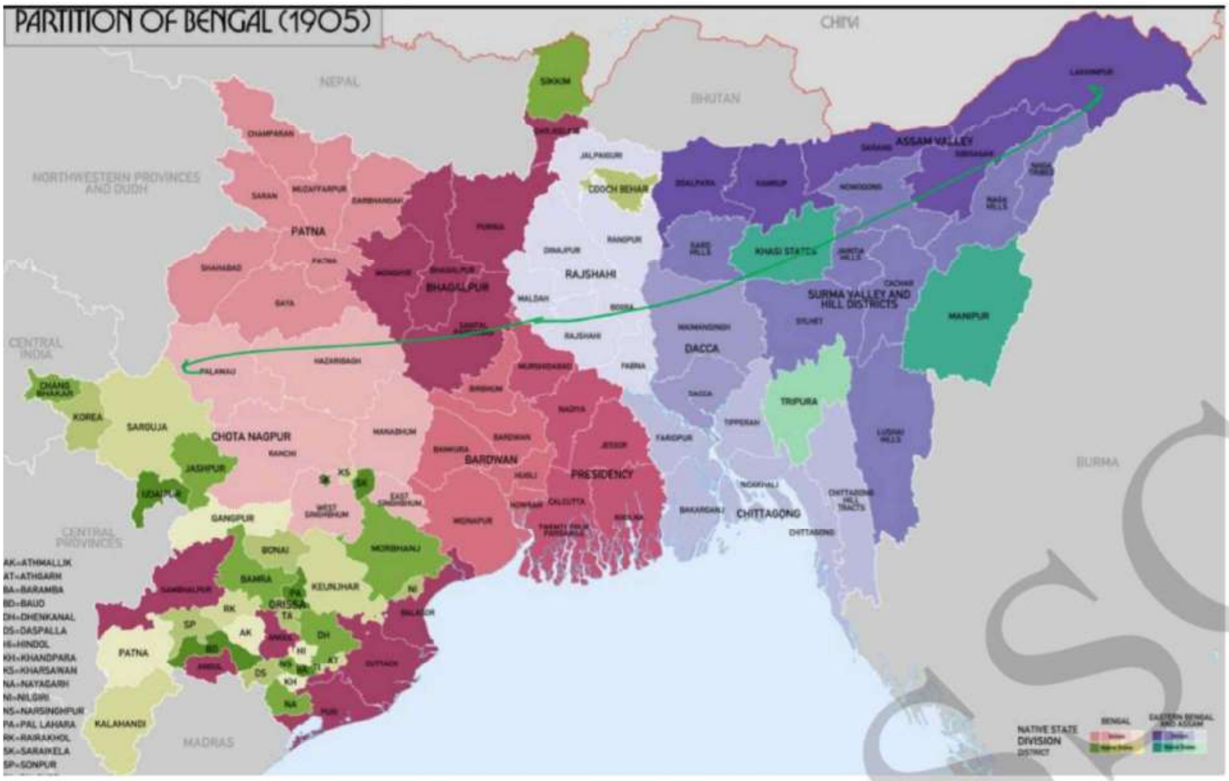
PARTITION OF BENGAL (1905)
CHINA
NEPAL
BHUTAN
SIKKIM
NORTHWESTERN PROVINCES AND OUDH
PATNA
BHAGALPUR
RAJSHAHI
COOCH BEHAR
ASSAM VALLEY
KHASI STATES
SURMA VALLEY AND HILL DISTRICTS
MANIPUR
DACCA
TRIPURA
CHITTAGONG
PRESIDENCY
BARDWAN
CHOTA NAGPUR
CENTRAL INDIA
CENTRAL PROVINCES
KOREA
SARGUJA
JASHPUR
UDAIPUR
GANGPUR
BONAI
KEUNJHAR
MORBHANJ
BAMRA
SAMBALPUR
ORISSA
PATNA
KALAHANDI
MADRAS
BURMA
AK=ATHMALLIK
AT=ATHGARH
BA=BARAMBA
BD=BAUD
DH=DHENKANAL
DS=DASPALLA
HI=HINDOL
KH=KHANDPARA
KS=KHARSAWAN
NA=NAYAGARH
NI=NILGIRI
NS=NARSINGHPUR
PA=PAL LAHARA
RK=RAIRAKHOL
SK=SARAIKELA
SP=SONPUR
NATIVE STATE
DIVISION
DISTRICT
BENGAL
EASTERN BENGAL AND ASSAM

कांग्रेस का 1905 का अधिवेशन: बनारस में
अध्यक्षता - गोपाल कृष्ण गोखले

मुख्य लक्ष्य - विभाजन विरोधी आंदोलन / स्वदेशी आंदोलन
↓
विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार व स्वदेशी वस्तुओं को अपनाया गया।

7 अगस्त 1905 को कलकत्ता के टाउनहॉल में स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा की गई।

1906 का अधिवेशन: कलकत्ता में
अध्यक्ष - दादा भाई नौरोजी

4 प्रस्ताव
- स्वराज (लक्ष्य)
- बहिष्कार
- स्वदेशी
- राष्ट्रीय शिक्षा → राष्ट्रीय शिक्षा परिषद

सूरत विभाजन: 1907 में
अध्यक्ष - रास बिहारी घोष

गरमदल नरमदल

नरम (उदारवादी)
- सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
- के के मित्रा
- गोपाल कृष्ण गोखले

→ उदारवादियों द्वारा अपनाये गए तरीके
- समाचार पत्र निकाले, पर्चे बाटे जाये
- पब्लिक मीटिंग करो।

गरमदल {
- लाला लाजपत राय
- बाल गंगाधर तिलक
- विपिन चन्द्र पाल
- अरविन्दो घोष

↳
- विदेशी शासन के प्रति घृणा : क्योंकि इससे कोई आशा नहीं मिल सकती थी अतः भारतीयों को अपना उद्धार स्वयं करना चाहिए।
- स्वराज राष्ट्रीय आंदोलन का लक्ष्य होगा।
- सीधी राजनीतिक कार्यवाही की आवश्यकता है।
- जनता में सत्ता को चुनौती देने की क्षमता पर विश्वास।
- व्यक्तिगत बलिदान की आवश्यकता है और एक सच्चे राष्ट्रवादी को इसके लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।

चरमपंथियों (गर्मदल) द्वारा अपनाये गये तरीके :

- बहिष्कार किया जाए
- समिति बनायी जाए ⟶ स्वदेश बान्धव समिति बनायी गयी ↓ अश्विनी कुमार दत्ता ने 1907 में बरीसाल में
- राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र खोले
- स्वदेशी कम्पनी खोली
  - ↳ स्वदेशी स्टीम नेवीगेशन कम्पनी ↓ V.O. चिदम्बरम् पिल्लई ने - तमिलनाडु में
- गणपति मेला व शिवाजी उत्सव किया (महाराष्ट्र)

→ **बाल गंगाधर तिलक :** लोकमान्य कहा जाता है।

'भारतीय अशांति का जनक' ⟶ कहा वैलेन्टाइन चिरोल ने

2 पत्रिकायें {
- मराठा (अंग्रेजी में)
- केसरी (मराठी में)

विभाजन विरोधी आंदोलन के दौरान समाचार पत्र :

हितवादी	संजीवनी	बंगाली
↓	↓	↓
द्विजेन्द्रनाथ टैगोर	कृष्ण कुमार मित्र	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी या गिरीश चन्द्र घोष

अवनींद्रनाथ टैगोर : उन्होंने 1905 में भारत माता की छवि चित्रित की। यह पेंटिंग भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रवाद का प्रतीक थी।

↓

इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट → 1907

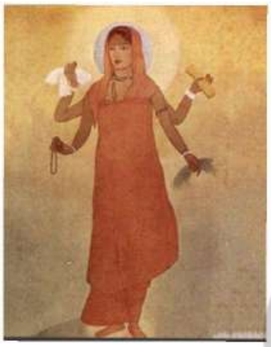

- → लोगों ने एक-दूसरे को राखी बांधी → एकजुटता दिखाने के लिये
- → रवीन्द्रनाथ टैगोर ने एक गाना लिखा → अमार सोनार बांग्ला
  - ↓ बांग्लादेश का राष्ट्रीय गीत
- → स्वदेश गीतम् लिखा → सुब्रमण्यम भारती ने
- → लोगों ने वन्दे मातरम् गाना शुरु किया लेकिन सरकार ने निषेध किया।

नेता :

पुणे व बम्बई से → बाल गंगाधर तिलक
दिल्ली से → सैय्यद हैदर रजा
मद्रास से → V.O. चिदम्बरम् पिल्लई
पंजाब से → लाला लाजपत राय

गाजर और छड़ी नीति- अंग्रेजों द्वारा अपनाया गया मॉडल।

↓ अच्छे व्यवहार व्यवहार के लिए एक इनाम

→ खराब व्यवहार के लिए एक नकारात्मक परिणाम

मुसलमानों की प्रतिक्रिया :

- विभाजन विरोधी आंदोलन को सपोर्ट नहीं कर रहे थे।
  - ↳ कारण - सपोर्ट न करने से ढाका (मुस्लिम बहुसंख्यक) क्षेत्र मिल जायेगा।
- विभाजन विरोधी आंदोलन के विरोध में एक पार्टी बनायी गयी।

↓

30 दिसंबर 1906 को
मुस्लिम लीग
संस्थापक - नवाब सली मुल्ला, आगा खाँ

भारत शासन अधिनियम 1909 : → मार्ले - मिण्टो सुधार अधिनियम

↓ सचिव ↓ वायसराय

- मुस्लिम के लिये पृथक निर्वाचन होगा।
  ↓
  मिण्टो लेकर आया
  ↓
  सांप्रदायिकता का जनक
- भारत की वायसराय की कार्यपालिका में एक भारतीय होगा।
  ↓
  पहले भारतीय → सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा

विभाजन का निरस्तीकरण :

- 1911 में बंगाल विभाजन रद्द कर दिया गया।
- वायसराय हार्डिंग-II → दिल्ली दरबार बुलाया
  ↓ राजा जार्ज V के सम्मान में
  असम, बिहार व उडीसा को अलग राज्य का दर्जा
  राजधानी - दिल्ली होगी (1912 में)

दिल्ली दरबार {
- पहला - 1877 → लिटन द्वारा
- दूसरा - 1903 → कर्जन द्वारा
- तीसरा - 1911 → हार्डिंग II द्वारा

- लाला लाजपत राय → विदेश चले गये
- बाल गंगाधर तिलक → 6 वर्ष की सजा → मांडले जेल
- विपिन चंद्र पाल
- अरविंदो घोष

} → सक्रिय राजनीति से सेवानिवृत्त

क्रांतिकारी गतिविधियाँ :

- 1902 में, अनुशीलन समिति → बंगाल में
  → सतीश चन्द्र बासु ने बनायी
  जतिन्द्रनाथ बनर्जी, बरीन्द्र कुमार घोष
- पटना में अनुशीलन समिति → सचिन सान्याल द्वारा

- 1879 में, रामोसी पेजेंट फोर्स → महाराष्ट्र में
  वासुदेव बलवंत फड़के ने

- 1890 : शिवाजी और गणपति उत्सव का आयोजन

- 1897 : चापेकर बंधुओं (दामोदर हरी चापेकर & बालकृष्ण हरि चापेकर) द्वारा W.C. रैंड की 22 जून 1897 को हत्या।
  ↳ प्लेग कमिश्नर

- 1899 में, मित्रमेला समिति → पूना में
  सावरकर बंधुओं द्वारा

- 1904 में, मित्रमेला को अभिनव भारत में मिला दिया गया।
  ↓
  V.D. सावरकर ने बनाया

- 1908 में, अलीपुर बॉम्ब षड्यंत्र
  ↳ मणिकटोला बॉम्ब षड्यंत्र भी कहा जाता है।

आत्महत्या कर ली। ← प्रफुल्ल चाकी

कन्हैयालाल दत्ता
सत्येन्द्र नाथ बोस
खुदीराम बोस

} मुजफ्फरपुर के मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड को मारने की योजना बनाई

खुदीराम बोस / कनाईकल दत्ता
↓
मुजफ्फरपुर जेल मे फांसी

↳ उस गवाह को मार डाला जिसने उन्हें बम फेंकते देखा था।

- 1905 में, भारतीय होमरूल सोसायटी
  इण्डिया हाउस
  } → श्यामजी कृष्ण वर्मा ने लंदन में
  ↓
  समाचारपत्र - Sociologist
  (समाजवादी)

- 1909 में, मदन लाल ढींगरा ने कर्जन वैली / वायली को लंदन मे मारा।

- **1909:** एएमटी जैक्सन की अनंत लक्ष्मण कन्हारे द्वारा हत्या।
  ↳ नासिक

- **1910:** इंडिया हाउस (USA)
  ↳ तारकनाथ दास & जीडी कुमार

- 1907 में, मैडम भीकाजी कामा → जर्मनी के स्टुटगार्ड में भारत का झण्डा फहराया
  ↓
  विदेशी भूमि पर भारत का झण्डा फहराने वाली पहली भारतीय

  समाचार पत्र
  ↓
  वंदे मातरम

- 1915 में, बर्लिन समिति → वीरेन्द्र नाथ चट्टोपाध्याय ने
- 1913 में, **गदर पार्टी** → सैन फ्रांसिस्को में (USA)
  ↳ लाला हरदयाल, सोहन सिंह भाकना, बर्का तुल्ला, भाई परमानन्द करतार सिंह

- कामागाटामारु कांड : 1914
  ↳ जापानी जहाज
  सिख व्यापारी ने किराये पर लिया था।
  यात्रा: जापान, फिर हांगकांग और सिंगापुर से कनाडा तक

{1914 - पहला विश्व युद्ध शुरु

अजीत सिंह:
- भगत सिंह के चाचा
- अंजुमन-ए-मुहिब्बान-ए-वतन (गुप्त समिति) → लाहौर
- भारत माता पत्र प्रकाशित किया

क्रांतिकारी गतिविधियों की वकालत करने वाले समाचार पत्र:

संध्या & युगांतर (बंगाल)	काल (महाराष्ट्र)	पंजाबी (पंजाब)

पंजाबी → लाला लाजपत राय

भारत रक्षा अधिनियम 1915 : गदरवादियों का दमन करना

↳ बाद में स्थायी अधिनियम द्वारा प्रतिस्थापित : रोलेट एक्ट

1914, तीन खंड :

- नरमपंथी → एक कर्त्तव्य के रूप में
- गरमपंथी } प्रथम विश्व युद्ध का समर्थन, ब्रिटिशों का
- क्रांतिकारी → मौके का फायदा उठाओ।

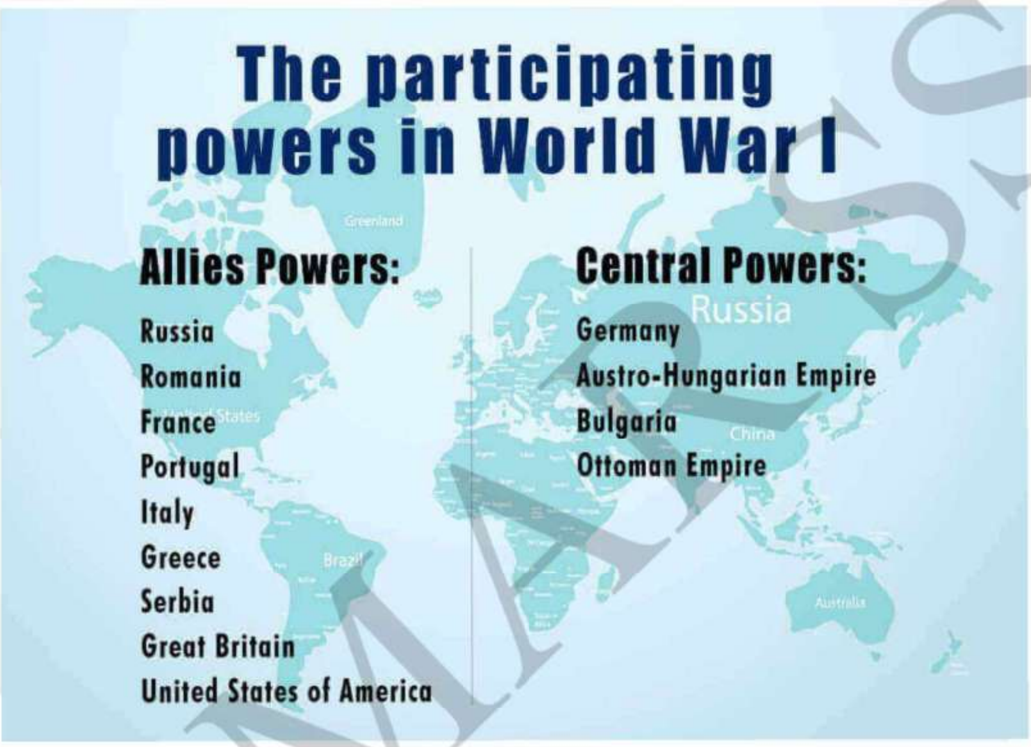

The participating powers in World War I

Allies Powers:	Central Powers:
Russia	Germany
Romania	Austro-Hungarian Empire
France	Bulgaria
Portugal	Ottoman Empire
Italy	
Greece	
Serbia	
Great Britain	
United States of America	

Greenland
Russia
United States
China
Brazil
Australia

होमरूल लीग : 1916 में

बाल गंगाधर तिलक	एनी बेसेंट
HQ - पूना	HQ - मद्रास
शाखायें - कम	शाखायें - ज्यादा
अप्रैल 1916	सितम्बर 1916
महाराष्ट्र (बम्बई को छोड़कर) कनटिक, मध्य प्रांत,	मद्रास, बम्बई में

एनी बेसेंट → { New India, कॉमनवील पत्रिकाएँ

↓

1920 में, गांधी जी इसी होमरूल लीग को स्वराज्य सभा में बदल देते हैं।

- वैलेन्टाइन चिरोल → 'भारतीय अशांति का जनक' → तिलक
  - ↓ पुस्तक - Indian Unrest

लखनऊ अधिवेशन: 1916 में

अध्यक्ष - अम्बिका चरण मजूमदार

गरमदल व नरम दल एक हो गयें — मुख्य भूमिका —
- बाल गंगाधर तिलक
- एनी बेसेन्ट

- **लखनऊ पैक्ट:** कांग्रेस और मुस्लिम लीग के मध्य
- जिन्ना को हिंदू-मुस्लिम एकता का जनक बोला → सरोजनी नायडू नें
- अल हिलाल → मौलाना अबुल कलाम आजाद
  - ↳ इंडिया विन्स फ्रीडम (पुस्तक)
- 'कॉमरेड' के लेखक - मोहम्मद अली जौहर

MCQ's:

- शस्त्र अधिनियम- जिसने भारतीय को हथियार रखने की अनुमति नही दी - 1878 में
- 7 अगस्त 1905 को कलकत्ता धार लेन पर स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा की गयी थी।
- अल्लूरी सीताराम राजू - आंध्रप्रदेश के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी।

गांधी का अभ्युदय

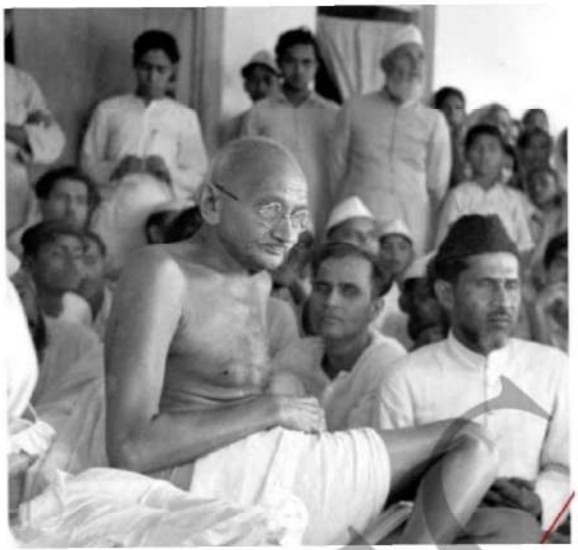

- जन्म - 2 अक्टूबर 1869 कच्छ
- पिता - करमचन्द गांधी
- माता - पुतली बाई

पूरा नाम - मोहनदास करमचंद गांधी

दक्षिण अफ्रीका में गांधी :

→ नटाल भारतीय कांग्रेस की स्थापना

↳ दक्षिण अफ्रीकी और भारतीयों के विरुद्ध नस्लीय भेदभाव

→ फीनिक्स फार्म और टॉलस्टॉय फार्म की स्थापना की।

1904 1910

↓ जॉन रस्किन की पुस्तक Unto the last से प्रभावित होकर

सत्याग्रह की नई तकनीक विकसित हुई

दक्षिण अफ्रीका में :

→ गांधीजी विवाह पंजीकरण अधिनियम के खिलाफ सत्याग्रह में शामिल थे।

→ उन्होंने भारतीयों के प्रवास पर प्रतिबंध के खिलाफ अभियान का नेतृत्व भी किया और जब दक्षिण अफ्रीका में हिंदू विवाहों को मान्यता नहीं दी गई।

भारत में गांधी :

→ गांधीजी भारत 9 जनवरी 1915 को वापस आयें।

↓ राजनैतिक गुरु

↳ गोपाल कृष्ण गोखले

↓ प्रवासी भारतीय दिवस

- 1916 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन के दौरान गांधीजी पहली बार सार्वजनिक रूप से उपस्थित हुए।
- BHU के संस्थापक - मदन मोहन मालवीय

चम्पारण सत्याग्रह: राजकुमार शुक्ला नें गांधी जी को आमंत्रित किया।

1917, बिहार में

प्रथम सविनय अवज्ञा आंदोलन

तिनकठिया पद्धति: 3/20 भूमि पर नील की खेती करनी होती थी।

चंपारण कृषि अधिनियम: इस अधिनियम ने तिनकठिया प्रणाली और अबवाब कर को भी निलंबित कर दिया गया।

→ चंपारण सत्याग्रह में शामिल अन्य लोग- राजेन्द्र प्रसाद
मजहर-उल-हक
जे. बी. कृपलानी

→ भारत में गांधीजी का पहला सत्याग्रह: चंपारण सत्याग्रह
यह एक सफल आयोजन था।

अहमदाबाद मिल मजदूर आंदोलन: अनुसुइया साराबाई ने आमंत्रित किया।

↳ प्लेग बोनस: 70% - 80%

1918 में, गांधी जी की प्रथम भूख हड़ताल

अहमदाबाद में मिलों के मजदूरों ने आर्थिक अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जब मील मालिकों ने प्लेग बोनस देना बंद कर दिया।

50% वेतन वृद्धि की मांग की।

खेड़ा सत्याग्रह:

- 1918
- गुजरात
- पहला असहयोग आंदोलन

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने गांधी जी को आमंत्रण दिया।

↳ किसानों का अंग्रेज सरकार की कर-वसूली के विरुद्ध एक सत्याग्रह (आंदोलन) था।

→ खराब फसल व प्लेग के कारण किसानों ने कर देने से मना कर दिया।
(फसल की उपज 25% से कम थी)

यह गांधीजी का पहला असहयोग आंदोलन था।

1928 के बारडोली सत्याग्रह में महिला प्रतिभागियों द्वारा वल्लभभाई पटेल को दी गई 'सरदार' की उपाधि।

भारत शासन अधिनियम 1919:

↳ मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार

मोंटेग्यू - सचिव
चेम्सफोर्ड - वायसराय

- प्रथक निर्वाचन मुस्लिमों के साथ-साथ
- पारसियों व एंग्लो इंडियन को भी दिया

सरकार
- केन्द्र
- प्रांतों में → द्वैध शासन
  - आरक्षित
    - (गवर्नर)/राज्यपाल द्वारा अपनी कार्यकारी परिषद के माध्यम से प्रशासित
    - जैसे- भू-राजस्व, पुलिस, वित्त
  - स्थानांतरित
    - विधान परिषद के मंत्रियों द्वारा प्रशासित
    - जैसे- कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा

- द्वैतशासन लागू कर दिया।
- केन्द्र में भी द्विसदनीय विधानमण्डल की शुरुआत

रॉलेक्ट सत्याग्रह : 1919

रॉलेक्ट एक्ट → सरकारी नाम

The Anarchical and Revolutionary Crime act of 1919 { अराजक और क्रान्तिकारी अपराध अधिनियम

↓ सिडनी रॉलेक्ट की अध्यक्षता में

'गांधी जी ने इसे काला कानून कहा।'

→ किसी भी भारतीय पर अदालत में बिना मुकदमा चलाए उसे जेल में बद कर सकता था।
अपराधी को उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने वाले का नाम जानने का अधिकार भी समाप्त कर दिया गया।

1915- भारत रक्षा अधिनियम

“नो दलील, नो वकील नो अपील सीधा जेल”

- जिन्ना, मदन मोहन मालवीय, मजहर- उल- हक ने अराजक और क्रांतिकारी अपराध अधिनियम के विरोध में इस्तीफा दे दिया था।

6 अप्रैल → सत्याग्रह लागू कर दिया गया।

9 अप्रैल → गिरफ्तार कर लिया गया { डॉ॰ सत्यपाल, सैफुद्दीन किचलू

13 अप्रैल → बैसाखी का दिन → अमृतसर में

→ जलियावाला बाग हत्याकांड

↓

- अमृतसर के जलियाँवाला बाग में लोग दो कारणों से एकत्रित हुए थे:

→ बैसाखी के कारण

→ सैफुद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल की गिरफ्तारी के कारण।

जनरल डायर ने एकमात्र निकास द्वार बंद कर दिया और भीड़ पर गोलियां चला दी।

उधम सिंह → ने माइकल ओ डायर को गोली मारी → आरोपी

↓ 1920

राम मोहम्मद सिंह आजाद नाम रखकर लंदन में शहीद हुये।

रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि लौटा दी।
गांधी जी ने अपनी 'कैसर-ए-हिन्द' की उपाधि लौटा दी। (बोअर युद्ध के दौरान मिली)

- स्वर्ण मंदिर में अरुण सिंह कौलजी ने रेजिनाल्ड डायर को 'सिख' की उपाधि दी, जिसके कारण बाद में 1920 में गुरुद्वारा सुधार आंदोलन शुरू किया गया।

हंटर आयोग: जलियावाला बाग हत्याकांड के लिए।

- रेजिनाल्ड डायर के कार्यों की जांच के लिए हंटर आयोग की स्थापना की गई, लेकिन कोई दंडात्मक कार्यवाही नहीं की गई।

क्षतिपूर्ति अधिनियम → मॉर्निंग पोस्ट नाम का फंड।
↓
वाइट वाशिंग बिल

मॉर्निंग पोस्ट नाम का फंड ↓ डायर के लिए
रुडयार्ड किपलिंग ने भी इसमें धन लगाया था।

खिलाफत आन्दोलन: कारण: प्रथम विश्व युद्ध जीतने के बाद तुर्की में बैठे खलीफा को हटा दिया गया था।

↓
खिलाफत समिति बनायी गयी
- मौलाना अली
- शौकत अली

अखिल भारतीय खिलाफत सम्मेलन
1919 - दिल्ली
↓
अध्यक्ष - गांधी जी
↳ कांग्रेस & बी.जी. तिलक द्वारा विरोध।

अबुल कलाम आजाद भी शामिल थे।

मौलाना हसरत मोहानी ने नारा दिया - 'इंकलाब जिंदाबाद', बाद में भगतसिंह द्वारा लोकप्रिय हुआ।

1920 {
कलकत्ता में खिलाफत आंदोलन अपना लिया
नागपुर अधिवेशन में

कांग्रेस कार्यसमिति का गठन किया गया।
15 सदस्य ← बहुत ही ज्यादा कानूनी तरीके से काम करेंगे।

कांग्रेस ने खुद को अतिरिक्त संवैधानिक जनसंघर्ष घोषित किया।
↓
इस्तीफा दिया - एम.ए. जिन्ना, एनी बेसेंट, बी.सी. पाल

- भारतीय राष्ट्रीय मुक्ति संघ - सुरेन्द्रनाथ बनर्जी द्वारा गठन

असहयोग आंदोलन :

हिन्दू + मुस्लिम एकता

तिलक स्वराज फंड - 1921

↳ तिलक की स्मृति में

स्थानीय आंदोलन:

- → एका आंदोलन UP(1921), मदारी पासी द्वारा
- → मोपिला विद्रोह (1921) → मालाबार विद्रोह
- → महंत को हटाने के लिए सिख आंदोलन (1921)

अवध किसान आंदोलन → एक किसान आंदोलन भी शुरु हुआ।

→ खिलाफत आंदोलन में असहयोग आंदोलन का समर्थन:

↓ प्रसार

- राष्ट्रीय स्तर पर स्कूल और कॉलेज स्थापित किए गए।
- जैसे- जामिया मिलिया, काशी विद्यापीठ, बिहार विद्यापीठ
- विदेशी कपड़े जलाए गए।
- स्वराज फंड के माध्यम से 1 करोड़ ₹ एकत्र किये गए।

असहयोग आंदोलन के बाद :

5 फरवरी 1922 : चौरी-चौरा हत्याकाण्ड (चौरी-चौरा, गोरखपुर का एक गाँव है)

↓

स्थानीय विरोध प्रदर्शन के कारण पुलिस स्टेशन में आग लग गई, जिससे 22 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई।

गांधी जी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया। (1922 में जेल चले गये)

बारडोली में कांग्रेस अधिवेशन में असहयोग आंदोलन को आधिकारिक रूप से स्थगित कर दिया गया। इसके बाद राजनीतिक शून्यता पैदा हो गई।

परिषदों का बहिष्कार किया गया
↓
अपरिवर्तनवादी ← राजेंद्र प्रसाद, वल्लभभाई पटेल, एम.ए. अंसारी
↓
रचनात्मक कार्यों पर ध्यान केन्द्रित किया जैसे- आश्रम, स्कूल बनवाये।

परिषदों में प्रवेश
↓
परिवर्तनवादी → CR दास, मोतीलाल नेहरू, अजमल खान
↳ गांधी ने इस विचार का विरोध किया।

1922 गया अधिवेशन: दिसंबर, परिवर्तवादियों ने अपनी अलग पार्टी बनाई
↓
अखिल भारतीय खिलाफत स्वराज पार्टी (1 जनवरी 1923)
→ सी आर दास (अध्यक्ष)
मोतीलाल नेहरू (सचिव)
↓
सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक - 1928

स्वराज पार्टी 2 भागों में विभाजित हो गयी।

उत्तरदायी
गैर-उत्तरदायी

1925 में, CR दास की मृत्यु के बाद।

→ 1924 में बेलगाम अधिवेशन में कांग्रेस के भीतर स्वराज पार्टी को स्वीकार किया गया।

समाजवाद , साइमन और सविनय अवज्ञा आंदोलन

समाजवाद का सिद्दांत: कार्ल मार्क्स → समाज से धनी वर्ग को हटाने का एकमात्र विकल्प - जन संघर्ष है।

समाजवाद के कारण: कार्ल मार्क्स की विचारधाराएँ भारत में भी फैलने लगी।
↳ रूसी विद्रोह (1917)

पार्टियों का गठन:

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी: 1920 में, ताशकंद, उज्बेकिस्तान में
1925 में औपचारिक रूप से कानपुर में गठन

गठनकर्ता : एम एन रॉय

1924 में, कानपुर बोल्शेविक केस —
- SA डांगे
- मुजफ्फर अहमद
- शौकत उस्मानी
- नलिनी गुप्ता

1929 में, मेरठ षडयंत्र केस

AITUC: ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस → 1920 में
- नारायण मल्हार जोशी
- लाला लाजपत राय → पहले अध्यक्ष
- दीवान चमन राय
- जोसेफ बैपटिस्टा

जाति आंदोलन: बॉम्बे मिल हैंड्स एसोसिएशन → 1884, नारायण मेघाजी लोखंडे

आत्मसम्मान आंदोलन → EV रामास्वामी नायकर

महद सत्याग्रह (महाड़) → डॉ० भीमराव अम्बेडकर - 1927
↓
केरल में इनको पेरियार नाम से जाना जाता है।

बहिष्कृत हितकारिणी सभा → दलितों के कल्याण के लिए, डॉ० भीमराव अम्बेडकर द्वारा, 20 जुलाई 1924, बम्बई

1930, उत्तर भारत में, मंदिर प्रवेश आंदोलन, B.R. अम्बेडकर

उपन्यास & पुस्तकें :

- बंदी जीवन → सचिन सान्याल
- पाथर डाबी → शरतचन्द्र चटर्जी
- फिलॉस्फी ऑफ बॉम्ब → भगवतीचरण वोहरा

उत्तरप्रदेश, बिहार & पंजाब मे :

हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन : 1924 कानपुर मे गठन

(HRA)

↳ रामप्रसाद बिस्मिल
जोगेश चन्द्र चटर्जी
सचिन सान्याल

↓

काकोरी एक्शन : 1925

Ram Prasad Bismil
Ashfaqulla Khan
Roshan Singh

काकोरी गांव (लखनऊ) ↳
- रामप्रसाद बिस्मिल
- अस्फाक उल्ला खान
- रोशन सिंह
- राजेन्द्र लाहिड़ी

} फांसी की सजा

HRA → परिवर्तित → HSRA → हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन

1928 फिरोजशाह कोटला, दिल्ली

↳
- चंद्रशेखर आजाद
- भगत सिंह
- सुखदेव
- राजगुरु

- **पंजाब नौजवान सभा** → 1926
  ↳ भगतसिंह ने

- 1928 : लाला लाजपत राय → • पंजाब केसरी
  - लाला लाजपत राय ने साइमन कमीशन का विरोध किया और 'साइमन वापस जाओ' का नारा लगाया।

- 1928 → भगतसिंह, राजगुरु & सुखदेव
  ↳ स्कॉट की जगह सॉन्डर्स को मार दिया गया।
  ↳ लाहौर में, लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए।

- 1929 → केन्द्रीय विधानसभा मे बम फेका। उद्देश्य: बहरो को सुनाना
  - ↓ सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक के खिलाफ → राष्ट्रवाद विरोधी
  - → भगतसिंह
  - → बटुकेश्वर दत्त

- **लाहौर षडयंत्र केस**: 23 मार्च 1931 को फांसी दी गयी।
  - ↳ भगतसिंह, राजगुरु & सुखदेव
  - 23 मार्च → शहीद दिवस

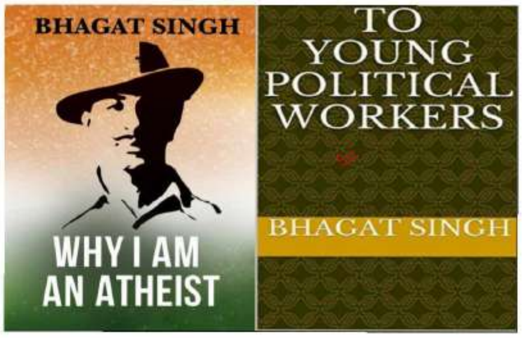
BHAGAT SINGH
WHY I AM AN ATHEIST
TO YOUNG POLITICAL WORKERS
BHAGAT SINGH

27 फरवरी 1931:
↳ चंद्रशेखर आजाद ने आत्महत्या कर ली।

1929: इरविन को मारने की कोशिश की गई।

अल्फ्रेड पार्क → चंद्रशेखर आजाद पार्क

बंगाल मे:

चिटगांव शस्त्रागार लूट: 1930

नेतृत्वकर्ता- सूर्यसेन (मास्टर दा)

शामिल महिलायें-
- प्रीतिलता वाडेकर
- कल्पना दत्ता
- सुनीति चन्देरी
- वीना दास

PARMAR

भारत शासन अधिनियम 1919 : मांटेग्यू- चेम्सफोर्ड सुधार

10 वर्ष बाद (लेकिन) ↓
1927- साइमन कमीशन बनता है।
↳ pm- स्टैनले बाल्डविन

साइमन आयोग:

1928 में साइमन कमीशन भारत आया।
'साइमन वापस जाओ' के नारे लग रहे थे।

7 सदस्यीय समिति थी → सभी अंग्रेज

'साइमन वापस जाओ' नारा दिया
↳ युसुफ अली

कांग्रेस का मद्रास अधिवेशन: 1928 (अध्यक्ष - एम ए. अंसारी)

↳ साइमन कमीशन के बहिष्कार का निर्णय
↳ विशेष सत्र (केवल आपातकाल में)

साइमन कमीशन के प्रति प्रतिक्रिया:

- सचिव - बर्किन हैड (भारतियों को चुनौती दी)
- नेहरू रिपोर्ट → मोती लाल नेहरू (1928)
  - ↳ मांगे: पृथक निर्वाचन क्षेत्र की समाप्ति/ डोमिनियन दर्जे की मांग।

समर्थन किया: अम्बेडकर
हिंदू महासभा → 1915, मदन मोहन मालवीय

इंडियन इंडिपेंडेंस लीग → 1928, जवाहर लाल नेहरू
सुभाष चंद्र बोस

सिफारिशें:

- द्वैध शासन व्यवस्था का उन्मूलन।
- भारत में संघीय शासन प्रणाली लागू की जानी चाहिए।
- विस्तारित मतदान अधिकार

- प्रथक मुस्लिम निर्वाचन क्षेत्र।
- सिंध को बम्बई से अलग करने को अस्वीकार कर दिया।
- सीमांत क्षेत्र की समान दर्जे की मांग को भी नजरअंदाज कर दिया गया।
- केन्द्रीय असेंबली में एक तिहाई मुस्लिम सीटों को अस्वीकार कर दिया गया।

- मुस्लिम लीग ने → दिल्ली प्रस्ताव
- मोहम्मद अली जिन्ना ने → जिन्ना 14-सूत्री मांग
- कांग्रेस के मद्रास अधिवेशन में → साइमन आयोग का बहिष्कार किया गया
  ↓
  अध्यक्ष- MA अंसारी

कांग्रेस का कलकत्ता अधिवेशन → नेहरु रिपोर्ट को अपनाया गया।

इरविन का घोषणापत्र/ दिल्ली घोषणापत्र :

लंदन में
गोलमेज सम्मेलन
इरविन द्वारा

कांग्रेस ने दिल्ली घोषणापत्र जारी किया
↓
डोमिनियन स्टेट्स कब लागू होगा ?

→ सबसे पहले भारत के लिए डोमिनियन स्थिति की मांग की - तेज बहादुर सप्रू
एम आर जयकर

लाहौर अधिवेशन :

1929, अध्यक्ष- जवाहर लाल नेहरू

- प्रथम गोलमेज सम्मेलन का बहिष्कार
- पूर्ण स्वराज का लक्ष्य निर्धारित किया गया।
- 26 जनवरी 1930 को पहला स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे।
- 30 दिसंबर 1930 को रावी नदी के तट पर झण्डा फहराया गया।
  'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाये गये।
- "इंकलाब जिंदाबाद" → मौलाना हसरत मोहानी ने नारा दिया।
- गांधीजी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया।

31 जनवरी 1930 : गांधी जी की मांगें।

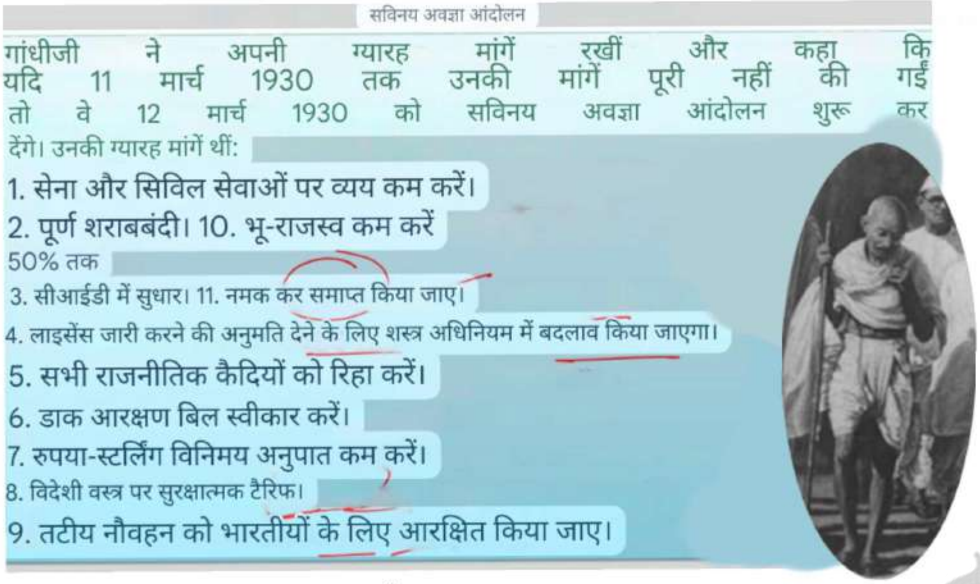

सविनय अवज्ञा आंदोलन

गांधीजी ने अपनी ग्यारह मांगें रखीं और कहा कि यदि 11 मार्च 1930 तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे 12 मार्च 1930 को सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू कर देंगे। उनकी ग्यारह मांगें थीं:

1. सेना और सिविल सेवाओं पर व्यय कम करें।
2. पूर्ण शराबबंदी। 10. भू-राजस्व कम करें 50% तक
3. सीआईडी में सुधार। 11. नमक कर समाप्त किया जाए।
4. लाइसेंस जारी करने की अनुमति देने के लिए शस्त्र अधिनियम में बदलाव किया जाएगा।
5. सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करें।
6. डाक आरक्षण बिल स्वीकार करें।
7. रुपया-स्टर्लिंग विनिमय अनुपात कम करें।
8. विदेशी वस्त्र पर सुरक्षात्मक टैरिफ।
9. तटीय नौवहन को भारतीयों के लिए आरक्षित किया जाए।

दांडी मार्च : 12 मार्च - 6 अप्रैल 1930 (240 मील)

साबरमती से दाण्डी तक पैदल यात्रा की।

↳ नवसारी / नौसारी जिला

78 लोग शामिल हुये।

↓

नमक कानून तोड़ा

गांधी जी ने धरसाना पर छापा मारने का निर्णय लिया

↳ 4 मई, गिरफ्तार हुये

नमक सत्याग्रह का प्रसार : कांग्रेस कार्यसमिति ने

रैयतवाड़ी क्षेत्र में → राजस्व नहीं देंगे।

जमींदारी क्षेत्र में → चौकीदारी कर नहीं देंगे।

मध्य प्रांत में → वन हानि की अवज्ञा

अन्य राज्यों मे नेतृत्वकर्ता (नेता) :

तमिलनाडु → सी. राजगोपालाचारी (तिरुचिरापल्ली से वेदारण्यम)

मालाबार → K. कलप्पन (वाइकोम सत्याग्रह)

उड़ीसा → गोपालबन्धु चौधरी

बिहार → अम्बिकाकान्त सिन्हा

↓

नाखस पॉड से नमक कानून के लिये नियुक्त किया गया

पेशावर → खान अब्दुल गफ्फार खान / बादशाह खान

↳ सीमांत गांधी

↳ लाल कुर्ती आंदोलन

↳ खुदाई खिदमदगार आंदोलन चलाया

धरसाना → सरोजिनी नायडू   महिलाओं की भागीदारी

मणिपुर व नागालैण्ड → रानी गैडिनलियू

लामबंदी के रूप :

कमला देवी चटोपाध्याय → अकेले पुरुषों के लिए प्रतिबंध मत करो।

- प्रभात फेरी बनायी गयी
- वानर सेना
- मंजिरी सेना

- वकील अपनी वकालत/अभ्यास छोड़ सकते हैं।
- सरकारी कर्मचारी इस्तीफा दे सकते हैं।

गांधी- इरविन समझौता :

14 फरवरी 1931 :

इरविन ने कहा- सविनय अवज्ञा आंदोलन खत्म किया जाए व गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया जाये।

गांधी जी की माँगे :

- राजनीतिक कैदियों को रिहा करो जो हिंसा के दोषी नही हैं।
- आन्दोलन के दौरान जब्त सम्पत्ति को वापस किया जाये।
- भारतीयों को समुद्र किनारे नमक बनाने का अधिकार दिया जाये।

कराची अधिवेशन : 29 मार्च 1931

अध्यक्ष - सरदार पटेल

- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने का निर्णय
- सविनय अवज्ञा आंदोलन को खत्म करेंगे।
- पूर्ण स्वराज का वास्तविक अर्थ बताया गया।
- मौलिक अधिकार एवं राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम को अपनाया गया।

गोलमेज सम्मेलन :

↳ साइमन कमीशन की रिपोर्ट पर विचार-विमर्श करने के लिये।

प्रथम गोलमेज सम्मेलन → 1930
द्वितीय गोलमेज सम्मेलन → 1931 → गांधी + कांग्रेस ने भाग लिया।
तृतीय गोलमेज सम्मेलन → 1932

→ भीमराव अम्बेडकर तीनों गोलमेज सम्मेलन में शामिल होने वाले एकमात्र व्यक्ति थे।

भारत छोड़ो आंदोलन:

सांप्रदायिक पुरस्कार: 16 अगस्त 1932 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैकडोनाल्ड द्वारा भारत में उच्च वर्ग, निम्न वर्ग, मुस्लिम, बौद्द, सिख, भारतीय ईसाई, एग्लों इंडियन, पारसी और दलित आदि के लिये अलग-अलग चुनाव क्षेत्र के लिए ये अवार्ड दिया।

→ गांधी जी ने इसका विरोध किया।

→ अम्बेडकर जी ने समर्थन किया।

'दलित वर्गों' के लिए प्रथक निर्वाचिका भी लाई गई (1932)

↳ गोलमेज सम्मेलन में अम्बेडकर जी द्वारा पहली बार

पूना समझौता: 1932

गांधी जी ने यरवदा जेल में रहते हुये आमरण अनसन की शुरुआत कर दी।

अखिल भारतीय अस्पृश्यता लीग - महात्मा गांधी (संस्थापक)

हरिजन सेवक संघ की स्थापना ←

↓ हरिजन पत्रिका (साप्ताहिक)

→ पूना समझौते पर गांधी जी की जगह मदन मोहन मालवीय ने साइन किये थे।

अम्बेडकर और गांधी/ मदन मोहन मालवीय के मध्य

समझौता - अंग्रेजों द्वारा सांप्रदायिक निर्णय वापस लिया जायेगा और सीटों के आरक्षण में वृद्दि की जाएगी, प्रथक निर्वाचिका का परित्याग किया जाएगा।

भारत शासन अधिनियम 1935:

→ द्वैध शासन को समाप्त कर दिया गया। (प्रांतो से)

→ केन्द्र में द्वैध शासन लागू किया गया।

→ अखिल भारतीय महासंघ की बात कही।

6/11 प्रांतो में → द्विसदनीय विधायिका

1937 चुनावों में → कांग्रेस को बहुमत मिला 716/1161

↳ सभी प्रांतो में बहुमत सिवाय- बंगाल, असम, पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिमी क्षेत्र

कांग्रेस अधिवेशन:

1936 में: लखनऊ में

अखिल भारतीय किसान सभा का गठन - 1936

↳ स्वामी सहजानन्द सरस्वती (संस्थापक)

1934 में: कांग्रेस समाजवादी पार्टी

- जे.पी. नारायण
- राम मनोहर लोहिया
- आचार्य नारायण देव
- मीनू मसानी

1937 में: फैजपुर में

↳ पहला गांव में होने वाला अधिवेशन

महाराष्ट्र (जलगांव जिला)

1938 में: हरिपुरा में (गुजरात)

↳ अध्यक्ष - सुभाष चन्द्र बोस

राष्ट्रीय योजना समिति - 1938 में

गठन - सुभाष चन्द्र बोस

↳ पहले अध्यक्ष - जवाहर लाल नेहरू

1939 में: पट्टाभिसीतारमैया (हार)

Vs

सुभाष चन्द्र बोस (जीत)

→ गांधी का बयान - यह सीतारमैया की नहीं बल्कि मेरी हार है।

↳ कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया।

ऑल इण्डिया फॉरवर्ड ब्लॉक → सुभाष चन्द्र बोस

उन्नाव, उत्तरप्रदेश
(कांग्रेस के भीतर)

1939 द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत

मित्रराष्ट्र	धुरी राष्ट्र
ब्रिटेन	जर्मनी
USA	इटली
रूस	जापान

जर्मनी → एडोल्फ हिटलर (नाजी जर्मनी) + सोवियत संघ (USSR)
पोलैंड पर हमला किया।

{हिटलर की आत्मकथा - मीन कैम्फ (mein Kampf)

- कांग्रेस ने वायसराय को प्रस्ताव दिया - offer
  - ↓ लिनलिथगो
  - offer → संविधान सभा की माँग
  - → जिम्मेदार सरकार की माँग

अक्टूबर 1939: कांग्रेस के मंत्रियो ने इस्तीफा दिया

कारण - बिना भारतीयों से पूछे उन्हें द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल कर लिया गया था।

- मुस्लिम लीग ने 22 दिसंबर 1939 को मुक्ति दिवस की घोषणा की।

- तत्कालीन PM : द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन के विंस्टन चर्चिल।

1940: अगस्त प्रस्ताव: अंग्रेजों ने डोमिनियम राज्य का प्रस्ताव रखा।

↳ गांधी जी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह चलाया {
1. विनोबा भावे
2. जवाहर लाल नेहरू
3. ब्रह्म दत्त

(कांग्रेस & मुस्लिम लीग द्वारा अस्वीकृत)

- गांधी जी ने डोमिनियन स्टेटस को 'एक ~~सफल~~ असफल बैंक पर पोस्ट डेटेड चेक' बताया था।

1942 - क्रिप्स मिशन : सर स्टैफोर्ड क्रिप्स की अध्यक्षता में

- डोमिनियन राज्य के दर्जे के साथ एक भारतीय संघ की स्थापना का प्रस्ताव अंग्रेजी सरकार ने रखा।
- संविधान निर्मात्री परिषद द्वारा निर्मित संविधान जिन प्रांतो को स्वीकार नही होगा, वे भारतीय संघ से पृथक होने के अधिकारी होंगे।

क्रिप्स मिशन के प्रस्ताव :

- संविधान सभा का गठन
- डोमिनियन स्थिति के साथ भारतीय संघ
- नये संविधान की स्वीकृति
- ब्रिटिश सत्ता का जारी रहना।

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक, वर्धा (महाराष्ट्र) में हुई।

जुलाई 1942 में : वर्धा में भारत छोड़ो आंदोलन को अपनाया गया।

↓

कांग्रेस ने ग्वालिया टैंक सम्मेलन में इसकी पुष्टि की गयी।

भारत छोड़ो आंदोलन : 1942 में

बिना किसी नेतृत्व (नेता) का आंदोलन

→ अरुणा आसफ अली ने आगे बढ़ाया

→ गांधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया

→ ग्वालिया टैंक मे भारतीय ध्वज फहराया।

भूमिगत गतिविधियां :

ऊषा मेहता → भूमिगत रेडियो चलाया - बॉम्बे

समानान्तर सरकारें स्थापित हुई

बलिया → चित्तू पांडे

तामलुक → जातिया सरकार

सतारा → प्रति सरकार (YB चौहान, नाना पाटिल)

→ पहले दिन सभी नेता गिरफ्तार कर लिए गए।

→ यह एक नेतृत्वविहीन आंदोलन था।

→ अरुणा आसफ अली ने कांग्रेस कार्यसमिति की अध्यक्षता की।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गांधीजी द्वारा की गई अपीलें :

- सरकारी कर्मचारी इस्तीफा न दें, बल्कि कांग्रेस के प्रति वफादार रहें।
- सैनिक : इस्तीफा न दें और अपने देशवासियों पर गोली न चलाएं।
- किसान: यदि जमींदार अंग्रेजों के प्रति वफादार हैं तो उन्हे कर नहीं देना होगा।
- रियासतों से की गई अपीलें: यदि शासक सरकार विरोधी हैं तो उसका समर्थन करें।

→ मुस्लिम लीग व हिन्दू महासभा समर्थन में नहीं थे।

- 23 मार्च 1943 → मुस्लिम लीग द्वारा पाकिस्तान दिवस मनाया गया।
- CR सूत्र अथवा राजाजी सूत्र → सी. राजगोपालाचारी : 1944 → विफल
- देसाई लियाकत पैक्ट → भूलाभाई देसाई (कांग्रेस) & लियाकत अली खान (मुस्लिम लीग) द्वारा (1944)

अगस्त 1945 : हिरोशिमा और नागासाकी (जापान के दो शहर) में क्रमशः 16 अगस्त और 9 अगस्त को बम गिराए गए।
हिरोशिमा पर गिराए गए बम को 'लिटिल बॉय' के नाम से जाना जाता है।

- वैवेल योजना → 1945 में शिमला सम्मेलन

भारतीय राष्ट्रीय सेना & सुभाष चन्द्र बोस :

स्थापित ↓ कैप्टन मोहन सिंह

↳ सिंगापुर में

↓ रास बिहारी बोस

↓ सुभाष चन्द्र बोस → जर्मनी में हिटलर से मिलते हैं।

↓ ओनल्डो मजोटा नाम से

- 1921 में : बोस ICS छोड़कर भारत लौट आए। उन्होंने 1943 में आजाद हिंद फौज (फ्री इंडिया लीजन / टाइगर लीजन) की स्थापना की (बाद में इसे INA में मिला दिया गया)
- रास बिहारी बोस → जापान से 'आर्डर ऑफ द राइजिंग सन' पुरस्कार प्राप्त किया।

15 अगस्त → जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया।

18 अगस्त → सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु हो गई (माना जाता है)

सुभाष-चन्द्र बोस {
- तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूँगा
- जय हिन्द
- दिल्ली चलो

↓

सर्वप्रथम गांधी जी को 'राष्ट्रपिता' कहा। (सिंगापुर रेडियो के माध्यम से)

महिला रेजिमेंट का गठन: रानी लक्ष्मीबाई नाम से।

INA परीक्षण

1st → तीन लोगो के खिलाफ

नवंबर 1945 लाल किले में पहला मुकदमा
- → प्रेम कुमार सहगल
- → सह नवाज खान
- → गुरबख्श सिंह ढिल्लन

{पाकिस्तान शब्द रहमत अली द्वारा दिया गया।}

14 फरवरी 1946 को रॉयल भारतीय नेवी की HMS तलवार ने विद्रोह कर दिया।

(रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह)

↓

जहाज पर लिखा → 'अंग्रेजो! भारत छोड़ो'

कैबिनेट मिशन:

PM - क्लीमेंट एटली

3 सदस्यीय समिति भेजी गयी → पाकिस्तान की मांग को इस मिशन ने स्वीकार नही किया।

1. स्टैफर्ड क्रिप्स
2. AV अलेक्जेंडर
3. जॉन पेथिक लॉरेन्स → अध्यक्ष

16 अगस्त - सीधी कार्यवाही दिवस

↓

कलकत्ता मे हिंसक हत्यायें (नुवाखली में)

जिन्ना ने मुसलमानों को प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस मनाने का निर्देश दिया।

(नोआखाली में)

↓

15 अगस्त 1947 को गांधी जी यही थे

जून 1947 → **भारत स्वतंत्रता अधिनियम - 1947**

↓

मांउटबेटन योजना

↳ भारत का अंतिम गवर्नर जनरल

- सी राजगोपालाचारी, बाद में स्वतंत्र भारत के अंतिम गवर्नर जनरल बने।

विभाजन योजना ↲

- इंदिरा गांधी (तत्कालीन pm) के कार्यकाल में पश्चिमी पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान से अलग हुआ। (1971)

↓ अब बांग्लादेश

↓

शिमला समझौता (1972) पर हस्ताक्षर

भारत और पाकिस्तान

↓ इंदिरा गांधी

↓ जुल्फिकार भुट्टो (तत्कालीन पाकिस्तान के राष्ट्रपति)

- सुभाष चन्द्र बोस को देशभक्तों का देशभक्त कहा - महात्मा गांधी ने

राजनीतिक गुरु → चितरंजन दास

→ भारत छोड़ो आंदोलन के एकमात्र शहीद जिन्हे फांसी दी गई- कुशल कोंवर

→ सरोजिनी नायडू → भारत कोकिला → गांधी ने

→ नाथूराम गोडसे → फांसी पर चढने से पहले भारत के पुनः एकीकरण होने तक अपनी राख को अक्षुण्ण रखने और पुनर्मिलन के बाद उन्हे सिंधु नदी मे बहाने की इच्छा व्यक्त की थी।

→ शहीद लक्ष्मी नायक → उड़ीसा से

→ महात्मा गांधी ने अजातशत्रु → डॉ० राजेन्द्र प्रसाद को बोला।

→ India of my dreams → महात्मा गांधी के भाषणों & नोट्स का संग्रह

→ एक झंडा सभी देशो के लिए एक आवश्यकता है। लाखों लोग इसके लिये मर चुके हैं   महात्मा गांधी ने

→ जिला प्रमुख के सीधे नियंत्रण और उसके पैरोल पर जमींदारी थानेदारों के स्थान पर दरोगा प्रणाली की शुरुआत की - कार्नवालिस ने

भक्ति & सूफी आंदोलन

भक्ति आंदोलन की मुख्य विशेषताएं:

- अनुष्ठान और बलिदान त्याग दिया।
- एकेश्वरवादी (एकल ईश्वर की पूजा)
- ईश्वर या तो साकार है या निराकार है।

साकार → सगुण
निराकार → निर्गुण

सगुण → शिव, विष्णु

विष्णु — अवतार = 10
वाहन = गरुण ↳ इंडोनेशिया

अनुयायी
शिव → नयनार
विष्णु → अलवार → पहली महिला अलवार: अंडाल

भक्ति आंदोलन की प्रवर्तक

भक्ति आंदोलन:

दर्शन	संस्थापक
विशिष्टाद्वैत	→ रामानुजाचार्य
द्वैताद्वैत / भेदाभेद	→ निम्बकाचार्य
द्वैत → द्वैतवाद	→ माधवाचार्य
शुद्धाद्वैत	→ वल्लभाचार्य
अद्वैत	→ शंकराचार्य

निम्बकाचार्य → माधवाचार्य — प्रवर्तक दक्षिण भारत

विशिष्टाद्वैत → आत्मा ब्रह्म का हिस्सा है

शुद्धाद्वैत → दुनिया वास्तविक है
मूर्तिपूजा ✓

शंकराचार्य → ये दुनिया और जीवन मिथ्या है।
मूर्तिपूजा X

भक्ति आंदोलन के संत:

- **रामानुजाचार्य** → विशिष्टवाद के संस्थापक
  1017 - 1137 AD
- **रामनन्द** → निर्गुण शाखा से संबंधित (उत्तर भारत)
  शिष्य - कबीरदास
- **कबीरदास** → इनके दोहे हिन्दू व मुस्लिम धर्म की आलोचना करते हैं।
  (1440 - 1510) निर्गुण शाखा से संबंधित
  उपदेशों का संकलन = बीजक

- **गुरुनानक** → 1469 - 1538 AD
  निर्गुण शाखा से संबंधित

- **चैतन्य** → 1486 - 1533 AD
  गौड़िया के राजा
  बंगाल मे भक्ति आंदोलन के प्रवर्तक → बंगाल वैष्णववाद
- **विद्यापति** → पदावली का संग्रह
  ↳ राधा & कृष्ण की प्रेम गाथाएं
- **पुरंदर दास** → कर्नाटक संगीत के पिता
  ↳ दक्षिण भारत का संगीत, कर्नाटक
- **वल्लभाचार्य** → शुद्धअद्वैतवाद सिद्धांत दिया।
  पुष्टिमार्ग दर्शन दिया।
  उन्होंने कहा- "राम & कृष्ण, विष्णु के अवतार हैं।"
- **मीराबाई** → 1498 - 1546
  राणासांगा की बहू (मेवाड़)
  राठौर राजकुमारी
  अनुयायी - रैदास / रविदास की
  कृष्ण की भक्त → अपना पूरा जीवन कृष्ण की भक्ति मे लगाया।
- **सूरदास** → 1489 - 1563
  वह अंधे थे।
  आगरा से
  अपना पूरा जीवन कृष्ण की भक्ति मे लगाया।

- **तुलसीदास** → राम के भक्त
  (1532-1623)
  प्रसिद्ध रचनायें →
    - रामचरितमानस
    - कवितावली
    - गीतावली

- **दादू दयाल** → निर्गुण भक्ति शाखा से
  (1544 - 1603)
  दादू पंथ के संस्थापक

- **शंकरदेव** → असम में भक्ति आंदोलन के प्रवर्तक
  (1449-1568)
  सत्रिया नृत्य के संस्थापक
  बोरगीत दिया।

- **त्यागराज** → राम के भक्त, तमिलनाडु (1767-1847)

महाराष्ट्र के भक्ति संत :

- **ज्ञानेश्वर/ज्ञानदेव** → महाराष्ट्र मे भक्ति आंदोलन के संस्थापक
  (1271- 1296)
  भगवद्गीता पर टीका लिखा → भवारथदीपिका
  (भावार्थदीपिका)
  अभंगो की रचना की।

- **नामदेव** → वारकरी संप्रदाय के संस्थापक
  ↓
  विट्ठल → विष्णु
  (1270- 1350AD)

- **एकनाथ** → 1533- 1599AD
  लेखक- भावार्थ रामायण

- **तुकाराम** → लिखा- अभंग, 1598-1650 AD
  → भगवान को समर्पित गीत

- **रामदास** → 1608- 1681 AD
  लिखा- दसबोध
  → उनके उपदेशो का संकलन

कर्नाटक के भक्ति संत :

बसवन्ना :
- शिव
- जातिप्रथा / वैदिक रीति-रिवाजों के विरुद्ध

- लिंगायत / वीरशैव संप्रदाय की स्थापना की।
- प्रारम्भ में वह जैन थे और बारहवीं शताब्दी में चालुक्य राजा के दरबार में मंत्री थे।

सिख गुरु :

सिख धर्म का युग :

- 1469 में नानकदेव के जन्म से लेकर गुरु गोविंद सिंह के जीवन तक।
- 1708 में गुरुगोविंद सिंह की मृत्यु के समय, उन्होंने सिख धर्मग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब को गुरु की उपाधि दी।

1. **गुरुनानक** → 1469 - 1539

जन्म - तालवण्डी /ननकाना साहिब (पाकिस्तान)
मृत्यु - करतारपुर
लंगर व्यवस्था की शुरुआत की। सिख धर्म की स्थापना की।

अस्पृश्यता को खत्म करने की 3 चीजें शुरू की -

लंगर - सामुदायिक रसोई
पंगत - खाना
संगत - निर्णय लेना

वह मुगल सम्राट बाबर के समकालीन थे।

2. **गुरु अंगददेव** → 1539 - 1552

गुरुमुखी लिपी के संस्थापक

- नानक देव की रचनाओं को गुरु ग्रंथ साहिब में गुरुमुखी लिपि में संकलित किया।

3. गुरु अमरदास साहिब →
- 1552 - 1574
- अकबर के समकालीन

- सिखों के लिए आनंद कारज विवाह समारोह की शुरुआत की गई।
- पुरुषों और महिलाओं के लिए धार्मिक मिशनों की मंजी और पीरी प्रणाली स्थापित की।

Golden Temple

4. गुरु रामदास →
- 1574 - 1581
- अमृतसर के संस्थापक

- उन्होंने सिखों के पवित्र शहर अमृतसर में प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर का निर्माण शुरू कराया।
- उन्होंने मुस्लिम सूफी मिंया मीर से हरमिंदर साहिब की आधारशिला रखने का अनुरोध किया।

5. गुरु अर्जुन देव → 1581 - 1606

आदिग्रंथ का संकलन

स्वर्णमंदिर के निर्माण को पूरा किया।

↳ सुंदरीकरण → राजा रणजीत सिंह

जहांगीर द्वारा मार दिया गया।

- उन्होंने सिखों के धर्मग्रंथ आदिग्रंथ का संकलन किया।
- जहांगीर (खुसरों) ने उस्सी उन्हें फांसी पर चढ़ाने का आदेश दिया। इस प्रकार, उन्हे शहीदन-दे-सरताज (शहीदों का ताज) कहा गया।

6. गुरु हरगोविन्द साहब → 1606 - 1644

अकाल तख्त का निर्माण, 1609

- गुरु अर्जन देव के पुत्र और 'सैनिक संत' के रूप में जाने जाते थे।
- धर्म की रक्षा के लिए हथियार उठाने वाले प्रथम गुरु।
- उन्होंने मुगल शासकों जहांगीर और शाहजहां के खिलाफ युद्ध छेड़े।

7. गुरु हर राय साहिब → 1644-1661

औरंगजेब के समकालीन

- उन्होंने मुगल शासक शाहजहाँ के सबसे बड़े पुत्र दारा शिकोह को शरण दी, जिन्हे बाद में औरंगजेब द्वारा प्रताड़ित किया गया।
- सम्राट औरंगजेब के साथ संघर्ष से परहेज किया और अपने प्रयासों को मिशनरी कार्यों के लिए समर्पित किया।

8 गुरु हरकृष्ण साहिब → 1661-1664

औरंगजेब के समकालीन

- गुरु हर कृष्ण सबसे छोटे गुरु थे (5 वर्ष की आयु में)
- वह औरंगजेब के समकालीन थे और उसे इस्लाम विरोधी ईश्वरनिंदा के आरोप में दिल्ली बुलाया गया था।
- चेचक से मृत्यु हो गई।

9 गुरु तेग बहादुर साहिब → 1665-1675

औरंगजेब द्वारा मार दिया गया।

- उन्होंने आनन्दपुर शहर की स्थापना की।
- उन्होंने मुगल शासक औरंगजेब द्वारा हिंदू कश्मीरी पंडितों के जबरन धर्म परिवर्तन का विरोध किया और इसके लिए उन्हें प्रताड़ित किया गया।

10 गुरु गोविन्द सिंह साहिब → 1675-1708

अंतिम गुरु
खालसा पंथ की शुरुआत

- उन्होंने 1699 में खालसा की स्थापना की, जिससे सिखों को अपनी सुरक्षा के लिए संत-सैनिक संघ में बदल दिया गया।

- मानव रूप में अंतिम सिख गुरु और उन्होंने सिखों की गुरुपद की जिम्मेदारी गुरु ग्रंथ साहिब को सौंपी।
- वजीर खान (सरहिंद के मुगल शासक) द्वारा भेजे गए दो अफगानों द्वारा हत्या कर दी गई।

गुरु ग्रंथ साहिब :

- गुरु ग्रंथ साहिब (जिसे आदि ग्रंथ भी कहा जाता है) सिखों का धर्मग्रंथ है।
- यह ग्रंथ गुरुमुखी लिपि में लिखा गया है और इसमें सिख गुरुओं द्वारा कहे गए वास्तविक शब्द और छंद शामिल हैं।
- इसे किसी जीवित व्यक्ति की बजाय सिख धर्म का सर्वोच्च आध्यात्मिक अधिकारी और प्रमुख माना जाता है।

सूफी आंदोलन :

काफिर की भूमि (जहाँ केवल हिन्दु रहते) → दार-उल-काफिर

↓ परिवर्तन किया

इस्लाम की भूमि → दार-उल-हर्ब

कैसे ?

जिहाद के जरिये (धार्मिक युद्ध)

जो जिहाद करता है। → मुजाहिद (जिहाद पर जन्नत मिलती)

→ **ख्वाजा अली हुजविरी** → 11वीं शताब्दी
दाता गंज बख्श (अन्य नाम)

→ **शेख बहाउद्दीन जकरिया** → 1182 - 1262
सुहरावर्दी सिलसिला के संस्थापक
मुल्तान में प्रमुख खानगाह की स्थापना की।

→ **ख्वाजा मुईनुद्दीन / मोइनुद्दीन चिश्ती**

→ चिश्ती संप्रदाय के संस्थापक

चिश्ती संप्रदाय के अन्य संत :

→ शेख हामिउद्दीन नागौरी (1192-1274)

ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी → शिष्य - कुतुबुद्दीन ऐबक

→ इनके ही नाम पर ऐबक ने कुतुबमीनार की नींव रखी। (1206)

बाबा फरिदुद्दीन / गंज-ए-शंकर → 1175-1265AD

बाबा फरीद के नाम से प्रसिद्ध

शेख निजामुद्दीन औलिया → 1236 - 1325 AD

महबूब-ए-इलाही नाम से प्रसिद्ध

सय्यद मोहम्मद गेसू दराज →

बन्दनवाज / बंदानवाज नाम से प्रसिद्ध

शेख नसीरुद्दीन महमूद → बाद में उन्हें चिराग-ए-दिल्ली के नाम से जाना गया।

शेख बदरुद्दीन समरकन्दी → फिरदौसी संप्रदाय के संस्थापक

सूफी शब्द		अर्थ
तसाव्वुफ	→	सूफीवाद
शेख/पीर/मुर्शिद	→	आध्यात्मिक शिक्षक
मुरीद	→	अनुयायी
खलीफा	→	उत्तराधिकारी

- खनकाह → वे स्थान जहाँ सूफी गुरुओ ने अपनी सभाऐं आयोजित की
- समा → संगीतमय गायन / पवित्र गीतों का पाठ
- रक्सा → नृत्य
- फना → खुद ही में खो जाना
- जियारत → तीर्थयात्रा

विष्णु अवतार : मत्स्य, कूर्म, वराह, नरसिम्हा, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण या बलराम, बुद्ध या कृष्ण, कल्कि ।

- अमीर खुसरो → शेख निजामुद्दीन औलिया के शिष्य
  - ↳ तूती-ए-हिंद
- नाथपंथी, सिद्ध और योगी (भक्ति धर्म): पूर्वी भारत
- पंजाब, भारत में निरंकार (निराकार) रूप में ईश्वर की पूजा पर जोर दिया: बाबा दयाल दास
- गुरु गोविंद सिंह की मृत्यु के बाद बंदा बहादुर के नेतृत्व में सिखों ने मुगलों के खिलाफ विद्रोह किया।
- खुसरो (जहाँगीर के पुत्र) को सहायता प्रदान की थी: गुरु अर्जुन देव जी ने।

→ मध्ययुगीन सूफी परंपरा के संदर्भ में 'वाली' शब्द का अर्थ - भक्त

→ भगवतगीता का सर्वप्रथम अंग्रेजी अनुवाद - चार्ल्स विल्किंस

→ 19 वीं शताब्दी में मध्यभारत में सतनामी आंदोलन - गुरु घासीदास

→ तानसेन के गुरु - गुरु हरिदास

→ गुरु रविदास = मोचीसंत